राज्य स्तरीय पर्यावरण समाघात निर्धारण प्राधिकरण, म.प्र.

(पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार)

पर्यावरण नियोजन एवं समन्वय संगठन
पर्यावरण परिसर, ई–5, अरेरा कॉलोनी
भोपाल–462016 (म.प्र.)
बेवसाईट– http://www.mpseiaa.nic.in
दूरभाष नं. – 0755–2466970, 2466859
फैक्स नं. – 0755–2462136

No: 550 / SEIAA/2023
Date: 29/5/23

प्रति,

कलेक्टर
जिला – नरसिंहपुर (म.प्र.)

विषयः नवीन जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट – नरसिंहपुर – **(अन्य गौण खनिज–गिट्टी एंव डोलोमाईट, सोप स्टोन, फायर–क्ले खनिज)**

संदर्भः आपका पत्र क्र. 384 दिनांक 28.04.2023

राज्य स्तरीय समाघात निर्धारण प्राधिकरण की 787वीं बैठक दिनांक 18.05.2023 में निम्नानुसार निर्णय लिया गया :–

राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति (SEAC) की 639वीं बैठक दिनांक 25.04.2023 में नरसिंहपुर जिले की जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट (अन्य गौण खनिज–गिट्टी एंव डोलोमाईट, सोप स्टोन, फायर–क्ले खनिज) में निम्नानुसार सुझाव सहित अनुशंसा की गई है :

"..... समिति ने पाया कि खनि. अधिकारी, कार्यालय कलेक्टर, (खनिज शाखा) जिला– नरसिंहपुर के पत्र क0. 744 दिनांक 03/05/23 के माध्यम से खदान की जानकारी निर्धारित प्रपत्र मे दे दी गई है तथा लीज धारकों द्वारा किये गये वृक्षारोपण की जानकारी, पौधों की संख्या एंव प्रजाति भी प्रस्तुत कर दी गई है। जहां लक्ष्य से कम पौधारोपण हुआ है उसमें, इसी वर्ष वर्षाकाल में पूर्ण रोपण किया जावे । अतः समिति नरसिंहपुर जले की जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट (अन्य गौण खनिज – रेत को छोड़कर) अनुमोदन हेतु विचारार्थ एंव आगामी कार्यवाही हेतु राज्य स्तरीय पर्यावरण समाघात निर्धारण प्राधिकरण की ओर प्रेषित की जाये।"

राज्य स्तरीय समाघात निर्धारण प्राधिकरण (SEIAA) द्वारा विस्तृत चर्चा एवं विचार विमर्श उपरांत SEAC की 641वीं बैठक दिनांक 03.05.2023 के अनुमोदन प्रस्ताव को मान्य करते हुए नरसिंहपुर जिले की जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट (अन्य गौण खनिज–गिट्टी एंव डोलोमाईट, सोप स्टोन, फायर–क्ले खनिज) का अनुमोदन SEAC द्वारा सुझाई गई उपरोक्त अनुशंसाओं के साथ किया जाता है। तदानुसार जिला कलेक्टर, नरसिंहपुर को जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट जिला पोर्टल पर अपलोड करवाये जाने एवं संचालक, भौमिकी तथा खनिकर्म को सूचित किया जाये।

उपरोक्त निर्णयानुसार कृपया अनुमोदित नवीन जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट जिला पोर्टल पर अपलोड करने का कष्ट करें। सुलभ संदर्भ हेतु अनुमोदित नवीन जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट की साफ्टकॉपी ई–मेल के माध्यम से आपकी ओर प्रेषित है।

(मुजीबुर्रहमान खान)
सदस्य सचिव

क्र.. 551 /SEIAA/2023 भोपाल दिनांक 29/5/23

प्रतिलिपि :–

1. **प्रमुख सचिव,** म.प्र. शासन, पर्यावरण विभाग, मंत्रालय, भोपाल की ओर कृपया सूचनार्थ ।
2. **संचालक, प्रशासन/तकनीकी,** संचालनालय, भौमिकी तथा खनिकर्म, 29–ए, खनिज भवन,अरेरा हिल्स,भोपाल (म.प्र.)
3. **सदस्य सचिव,** राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति (SEAC), अनुसंधान एवं विकास विंग, म.प्र. प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, पर्यावरण परिसर, ई–5, अरेरा कॉलोनी, भोपाल (म.प्र) – 462016 की ओर सूचनार्थ।

सदस्य सचिव

Dolomite / Soapstone / Fireclay.

Final

कार्यालय कलेक्टर (खनिज) जिला–नरसिंहपुर

Email - monarsinghpur@gmail.com, modgmnar@mp.gov.in

क्रमांक / 744 / खनिज / 2023 नरसिंहपुर दिनांक– 03/05/ 2023

प्रति,

सदस्य सचिव,,
राज्य स्तरीय विशेषक मूल्यांकन समिति (SEAC)
म.प्र. पर्यावरण परिसर ई–5 अरेरा कॉलोनी
भोपाल म.प्र.

विषय :– संशोधित जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट (DSR) अनुमोदन करने बावत।

–––0000–––

उपरोक्त विषयांतर्गत पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय भारत सरकार के द्वारा जारी अधिसूचना दिनांक 15.01.2016 एवं दिनांक 25.07.2018 के द्वारा प्रत्येक जिला स्तर पर नवीन जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट तैयार करने हेतु निर्देशित किया गया है। तत्संबंध में निवेदन है कि जिला नरसिंहपुर की वर्ष 2020–2021 संशोधित जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट (डोलोमाइट / सोपस्टोन / फायरक्ले) एवं जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट (गिट्टी) तैयार की गई है।

अतः उपरोक्त के संबंध में निवेदन है कि भविष्य में इस जिले से उत्खनन की जाने वाली जिला सर्वेक्षण रिर्पोट (DSR) अनुमोदन हेतु संलग्न कर प्रेषित है। संशोधित जिला सर्वेक्षण रिर्पोट (DSR) तैयार की गई है दिनांक 27.07.2022 को नरसिंहपुर जिले के एन.आई.सी. पोर्टल पर जिला सर्वेक्षण रिर्पोट (DSR) आमजन के समक्ष आपत्ति / सुझाव हेतु 21 दिवस हेतु अपलोड कर दी गई थी। उक्त समयावधि मे कोई भी व्यक्ति / संस्था / फर्म द्वारा आपत्ति / सुझाव प्राप्त नहीं हुए है। कृपया वर्ष 2020–2021 संशोधित जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट (डोलोमाइट / सोपस्टोन / फायरक्ले) एवं जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट (गिट्टी) अनुमोदन करने का कष्ट करें।

संलग्नः– 1– जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट (डोलोमाइट / सोपस्टोन / फायरक्ले)
2– जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट (गिट्टी)

03/5/2023
प्रभारी अधिकारी
खनिज शाखा नरसिंहपुर

D:/mo3 DESKTOP/MR LATTERS

Scanned with CamScanner

by SEIAA such as "परियोजना प्रस्तावक की परियोजना अवधि से आवेदन दिनांक तक आयकर रिटर्न्स, बैलेंस शीट परियोजना पर किये गए व्यय की जानकारी मांगी एवं परियोजना प्रस्तावक द्वारा भी किये गए व्यय का शपथपत्र भी लिया जावे " are not submitted. Thus committee recommends that PP may be asked to submit all documents desired by SEIAA. The consultant has also not responded on SEIAA's observation "पर्यावरण सलाहकार भी उपरोक्तानुसार प्रकरण में की गई गंभीर त्रुटियों के लिए क्यों न कार्यवाही की जावे तथा प्रकरण नेबिट के ध्यान में लाया जाये के संदर्भ में अपना पक्ष/स्पष्टीकरण भी प्रस्तुत करें", hence consultant may also be asked to submit their clarification within 10 days for onward necessary action.

In the SEAC meeting 641th dated 03.05.2023 the query reply was presented by PP Shri Arun Agrawal (Partner) M/s. Vrindavan Construction submitted along with their Env. Consultant. During presentatiomn and discussion committtee asked PP regarding damages took place during consruction phases for which PP was not able to explain satisfactory reply in this context and in addition to this Carbon Foot Print was also not calculated for this project hence, committee after deliberation asked PP to submit following information for further consideration of the project:

- Damage assessment report and accordingly remediation plan.
- Furnish details of CO_2 emission & quantification from different sources and their respective management plan w.r.t. carbon foot print.
- Latest drone image of the site

19. जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट (अन्य गौण खनिज–गिट्टी एंव डोलोमाईट, सोप स्टोन, फायर–क्ले खनिज) नरसिंहपुर।

कार्यालय कलेक्टर के पत्र क0. 744 दिनांक 03/05/23 के माध्यम से दो अलग–अलग पुनरीक्षित जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट –नरसिंहपुर (अन्य गौण खनिज गिट्टी एंव डोलोमाईट, सोप स्टोन, फायर–क्ले खनिज) की जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट उप समिती का अनुमोदन एंव जिला पोर्टल पर रखने के उपरांत प्रस्तुत की गई है।

आज दिनांक 22/02/2023 को जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट के प्रस्तुतीकरण के दौरान श्री सुनील गुप्ता खनिज निरीक्षक उपस्थित हुए। पुनरीक्षित नवीन जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट का परीक्षण करने पर पाया गया कि :–

जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट जबलपुर को परीक्षण करने पर यह पाया कि जिले की जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट में अन्य गौण खनिज गिट्टी की खदान वार जानकारी पेज न0. 31–36 में तथा अन्य गौण खनिजों डोलोमाईट, सोप स्टोन, फायर क्ले, की खदान वार जानकारी पेज न0. 31–32 खदान वार जानकारी निर्धारित प्रपत्र मे दे दी गई है। जिले में हरित क्षेत्र के विकास हेतु पूर्व के वर्षो में लीज धारकों द्वारा

किये गये वृक्षारोपण की जानकारी, संख्या एंव प्रजातियों की जानकारी जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट अन्य गौण खनिज गिट्टी की जानकारी अंत में टेबल में पेज न0. 69 तथा अन्य गौण खनिजों डोलोमाईट, सोप स्टोन, फायर क्ले के अंत टेबल पेज न0. 56 मे दे दी गई है।

समिति ने पाया कि खनि. अधिकारी, कार्यालय कलेक्टर, (खनिज शाखा) जिला– नरसिंहपुर के पत्र क्र0. 744 दिनांक 03/05/23 के माध्यम से खदान की जानकारी निर्धारित प्रपत्र मे दे दी गई है तथा लीज धारकों द्वारा किये गये वृक्षारोपण की जानकारी, पौधों की संख्या एंव प्रजाति भी प्रस्तुत कर दी गई है। जहां लक्ष्य से कम पौधारोपण हुआ है उसमें, इसी वर्ष वर्षाकाल में पूर्ण रोपण किया जावे । अतः समिति नरसिंहपुर जले की जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट (अन्य गौण खनिज – रेत को छोड़कर) अनुमोदन हेतु विचारार्थ एंव आगामी कार्यवाही हेतु राज्य स्तरीय पर्यावरण समाघात निर्धारण प्राधिकरण की ओर प्रेषित की जाये।

(चंद्र मोहन ठाकुर)
सदस्य सचिव

(डॉ. पी.सी. दुबे)
अध्यक्ष

वर्ष 2020-21

जिला सर्वेक्षण रिर्पोट

(डोलोमाइट/सोपस्टेन/फायरक्ले)

जिला नरसिंहपुर

AS PER NOTIFICATION NO. S.O. 141(E) NEW DELHI, THE 15TH JANUARY, 2016 OF MINISTRTY OF ENVIRONMENT, FOREST AND CLIMATE CHANGE. GOVT. OF INDIA

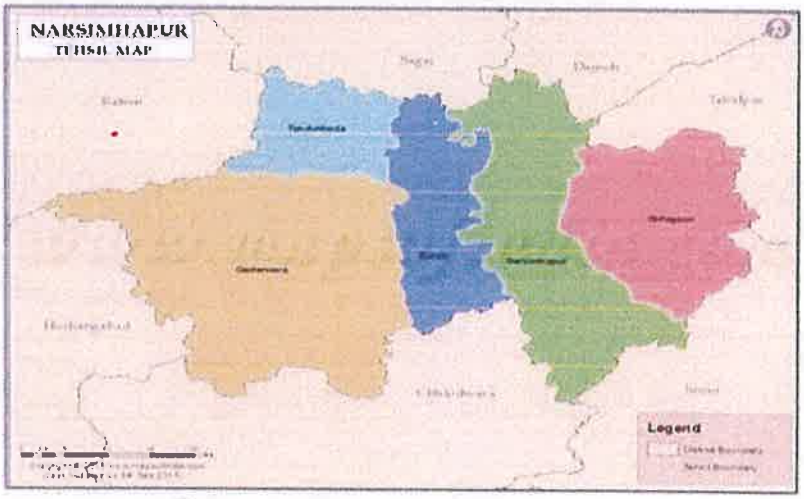

कार्यालय कलेक्टर खनिज शाखा

जिला नरसिंहपुर

(मध्यप्रदेश शासन खनिज साधन विभाग)

State Level Environment Impact
Assessment Authority, M.P.
(EPCO)
Paryavaran Parisar
E-5, Arera Colony, Bhopal (M.P.)

प्रभारी अधिकारी
(खनिज शाखा)
नरसिंहपुर

विषय सूची

क्र.	विषय	पेज
1	प्रस्तावना	6
2	जिले की सामान्य जानकारी	8–9
3	जिले में खनन कार्य कलापों पर विहंगम दृष्टि	9–10
4	अवस्थिति क्षेत्र और विधि मान्यता का कालावधि के साथ जिले में खनन पट्टों की सूची	10
5	पिछले तीन वर्षों दौरान प्राप्तय स्वामित्व का राजस्व के ब्यौरे	12
6	जिले का सामान्य प्रोफाइल	12–14
7	जिले में भूमि के उपयोग का पेटर्न वन कृषि उद्यान कृषि खनन	14–17
8	जिले की भू–भौगोलिकी	18
9	वर्षा माहवार	20–21
10	जियोलॉजी एवं खनिज संपदा	22–28
11	मुख्य नदियों के विवरण सहित निकासी प्रणाली	29
12	महत्तपूर्ण नदियों और धाराओं की मुख्य विशेषता	29
13	Patta Land/Khatedari Land : (existing & Proposed)	31–32
14	जिले में गिट्टी परिवहन के संभावित मार्ग का चिन्हांकन	40
15	कलस्टर/नॉन कलस्टर के अंतर्गत आने वाली खदनों की जानकारी	41
16	जिला नरसिंहपुर परिस्थितिकी संवेदनशील क्षेत्र	42
17	पर्यावरण पर खनन गतिविधि का प्रभाव (वायु, जल, शोर, मिट्टी, वनस्पति, जीव, भूमि उपयोग, कृषि, वन आदि)	47
18	पर्यावरण पर खनन गतिविधियों के प्रभाव को कम करने के उपाय	44
19	खनन क्षेत्रों का पुनः सुधार	44–45
20	जोखिम मूल्यांकन और आपदा प्रबंधन	45–50
21	जिला में व्यावसायिक स्वास्थ्य के मुद्दों का विवरण	50–51
22	वृक्षारोपण और हरित पट्टी विकास के संबंध में	53
23	खादानों के आसपास वृक्षारोपण	54

मानचित्र :–

1. जिला नरसिंहपुर की नक्शें में स्थिति	2. जिला नरसिंहपुर का संचार और स्थान मानचित्र
3. नरसिंहपुर जिल की स्वीकृत खादानों की मानचित्र	4. भू–आकृति मानचित्र
5. लेड़ यूज मानचित्र	6. ड्रेनेज मानचित्र
7. नदियों का मानचित्र	8. भू–विज्ञानिक मानचित्र
9. जिला संसाधन मानचित्र	10. भू–जलीय जिला मानचित्र
11. खनिज परिवहन मार्ग का मानचित्र	

State Level Environment Impact
Assessment Authority, M.P.
(EPCO)
Paryavaran Parisar
E-5, Arera Colony, Bhopal (M.P.)

प्रभारी अधिकारी
(खनिज शाखा)
नरसिंहपुर

कार्यालय
संचालक भौमिकी तथा खनिकर्म
मध्यप्रदेश
29-ए, "खनिज भवन", अरेरा हिल्स, भोपाल
फोन एवं फैक्स : 0755-2551795
E-mail : dirgeomn@mp.nic.in

खनिज/विविध/न.क्र. /2022, भोपाल, दिनांक 03/3/22

प्रति,

समस्त कलेक्टर
(खनि शाखा)
मध्यप्रदेश

विषय : सस्टेनेबल सेण्ड माइनिंग मेनेजमेंट गाईडलाईन 2016 एवं इनफोर्समेंट मानिटरिंग फार सेण्ड माइनिंग 2020 के अंतर्गत रेत खनिज हेतु जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट तैयार किये जाने के संबंध में।

पूर्वेक जिले में सस्टेनेबल सेण्ड माइनिंग मेनेजमेंट गाईडलाईन 2016 एवं इनफोर्समेंट मानिटरिंग फार सेण्ड माइनिंग 2020 गाइडलाईन के तहत जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट (डीएसआर) तैयार की जानी है। जिले की डीएसआर तैयार किये जाने की प्रक्रिया प्रचलन में है। माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा सिविल अपील क्रमांक 3661-3662/2020 (बिहार राज्य एवं अन्य विरुद्ध पवन कुमार एवं अन्य) में पारित आदेश दिनांक 10.11.2021 के अनुसार एवं सस्टेनेबल सेण्ड माइनिंग मेनेजमेंट गाईडलाईन 2016 एवं इनफोर्समेंट मानिटरिंग फार सेण्ड माइनिंग 2020 के पालन में प्रारूप डीएसआर निम्न समिति द्वारा तैयार की जानी है :-

1. अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व)
2. जल संसाधन विभाग के अधिकारी
3. राज्य प्रदूषण नियंत्रण मण्डल के नामांकित अधिकारी
4. वन विभाग के अधिकारी
5. जिले के खनि अधिकारी/संचालनालय भौमिकी तथा खनिकर्म द्वारा पदस्थ अधिकारी

उपरोक्तानुसार तैयार प्रारूप डीएसआर को जिला कलेक्टर द्वारा सिएक (SEAC) को अग्रेषित की जायेगी। सिएक (SEAC) द्वारा इसे सिया (SEIAA) को प्रेषित किया जायेगा।

उपरोक्त निर्देशों का पालन सुनिश्चित किया जाये।

(राकेश कुमार श्रीवास्तव)
भा.प्र.से.
संचालक
(प्रशासन एवं खनिकर्म)

3/3/22

State Level Environment Impact Assessment Authority, M.P. (EPCO) Paryavaran Parisar E-5, Arera Colony, Bhopal (M.P.)

प्रभारी अधिकारी
(खनिज शाखा)
नरसिंहपुर

कार्यालय कलेक्टर (खनिज) जिला–नरसिंहपुर

Email - monarsinghpur@gmail.com, modgmnar@mp.gov.in

–: आदेश :–

क्रमांक 412 /ख0लि0/2022 नरसिंहपुर दिनांक–07/04/2022

विषय :– सस्टेनेबल सेण्ड माइनिंग मेनेजमेंट गाईडलाइन 2016 एवं इनफोर्समेंट मानिटरिंग फार सेण्ड माइनिंग 2020 के अंतर्गत रेत खनिज हेतु जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट तैयार किये जाने के संबंध में ।

संदर्भ :– संचालनालय, भौमिकी तथा खनिकर्म, भोपाल का पत्र कमांक 2981/खनिज/विविध/न.क /2022 भोपाल दिनांक 03.03.2022।

–00–

उपरोक्त विषयांतर्गत संदर्भित पत्र के माध्यम से जिले में सस्टेनेबल सेण्ड माइनिंग मेनेजमेंट गाईडलाइन 2016 इनफोर्समेंट मानिटरिंग फार सेण्ड माइनिंग 2020 गाईडलाइन के तहत जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट (डीएसआर) तैयार की जानी है।

माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा सिविल अपील कमांक 3661–3662/2020 (बिहार राज्य एवं अन्य विरूद्व पवन कुमार एवं अन्य) में पारित आदेश दिनांक 10.11.2021 के अनुसार एवं सस्टेनेबल सेण्ड माइनिंग मेनेजमेंट गाईडलाइन 2016 एवं इनफोर्समेंट मानिटरिंग फार सेण्ड माइनिंग 2020 के पालन में प्रारूप डीएसआर तैयार किये जाने हेतु निम्न समिति गठित की जाती है :–

1. अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), समस्त अनुभाग, जिला नरसिंहपुर,
2. कार्यपालन यंत्री, जल संसाधन, जिला नरसिंहपुर,
3. क्षेत्रीय अधिकारी, क्षेत्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, जबलपुर,
4. वनमण्डलाधिकारी, जिला नरसिंहपुर,
5. प्रभारी अधिकारी खनिज शाखा, जिला नरसिंहपुर

उपरोक्तानुसार जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट (डीएसआर) तैयार कर आवश्यक रूप से अतिशीघ्र प्रस्तुत करें ताकि जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट (डीएसआर) राज्य स्तरीय पर्यावरणीय समाघात निर्धारण प्राधिकरण (SEAC) भोपाल को प्रेषित की जा सके।

कलेक्टर
नरसिंहपुर

State Level Environment Impact
Assessment Authority, M.P.
(EPCO)
Paryavaran Parisar
E-5, Arera Colony, Bhopal (M.P.)

प्रभारी अधिकारी
(खनिज शाखा)
नरसिंहपुर

कार्यालय कलेक्टर (खनिज) जिला–नरसिंहपुर

Email - monarsinghpur@gmail.com, modgmnar@mp.gov.in

क्रमांक / /ख0लि0 / 2022 नरसिंहपुर दिनांक– / 06 / 2022

माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा सिविल अपील क्रमांक 3661–3662 / 2020(बिहार राज्य एवं अन्य विरूद्ध पवन कुमार एवं अन्य) में पारित आदेश दिनांक 10 / 11 / 2021 के अनुसार एवं सस्टेबल सैंड माइनिंग मैनेजमेंट गाइडलाईस 2016 एवं इंफोर्समेंट मॉनिटरिंग फार सेण्ड माईनिंग 2020 के पालन में संचालक, महोदय भौमिकी तथा खनिकर्म मध्यप्रदेश भोपाल के आदेश कमांक / 2981 / 2982–86 भोपाल दिनांक 03 / 03 / 2022 तथा कलेक्टर महोदय जिला नरसिंहपुर के आदेश कमांक / 42 नरसिंहपुर दिनांक 07 / 04 / 2022 के पालन में प्रारूप जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट(District Survey Report) निम्न समिति द्वारा तैयार कर अनुमोदित की गई :–

क.	अधिकारी का नाम	पदनाम	हस्ताक्षर
1	श्री राजेश शाह	अनुविभागीय अधिकारी(राजस्व) नरसिंहपुर	
2	श्री आलोक जैन	क्षेत्रीय अधिकारी, म.प्र.प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड जबलपुर	
3	श्रीमति प्रीति अहिरवार	अनुविभागीय अधिकारी,(वन) नरसिंहपुर	
4	श्री हेमन्त गुप्ता	कार्यपालन यंत्री,(सहायक यंत्री) जल संसाधन विभाग नरसिंहपुर	
5	श्री ओ.पी. बघेल	खनि अधिकारी, खनिज शाखा नरसिंहपुर	

State Level Environment Impact Assessment Authority, M.P.
(EPCO)
Paryavaran Parisar
E-5, Arera Colony, Bhopal (M.P.)

प्रभारी अधिकारी
(खनिज शाखा)
नरसिंहपुर

कार्यालय कलेक्टर (खनिज) जिला–नरसिंहपुर

Email - monarsinghpur@gmail.com, modgmnar@mp.gov.in

क्रमांक / 577 / ख0लि0 / 2022 नरसिंहपुर दिनांक-- 25 / 07 / 2022

प्रति,

जिला सूचना विज्ञान अधिकारी,
(NIC) जिला नरसिंहपुर

विषय :-- जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट(DSR) के प्रारूप आमजन के अवलोकन / सुझाव हेतु आगामी 30 दिवस के लिए कलेक्टर कार्यालय में एक प्रति रखे जाने तथा कलेक्टर कार्यालय नरसिंहपुर के एन.आई.सी. पोर्टल पर पुनः पोस्ट / दर्शित किये जाने बावत।

--0000--

उपरोक्त विषयांतर्गत लेख है कि शासन द्वारा गठित समिति द्वारा वर्ष 2021–2022 हेतु अनुमोदित जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट (DSR) डोलोमाइट / सोपस्टोन / फायरक्ले प्रारूप आमजन के अवलोकन / सुझाव हेतु 30 दिवस के लिए कलेक्टर कार्यालय में एक प्रति रखे जाने तथा कलेक्टर कार्यालय नरसिंहपुर के एन.आई.सी. पोर्टल पर दिनांक 20 / 06 / 2022 को पोस्ट / दर्शित की गई है।

अतः उपरोक्तानुसार अनुमोदित जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट(DSR) प्रारूप की एक प्रति आपने कार्यालय में 30 दिवस तक रखने का कष्ट करें।

संलग्नः--डी.एस.आर.।

25/7/2022

प्रभारी अधिकारी
खनिज शाखा नरसिंहपुर

State Level Environment Impact
Assessment A... M.P.
Parya...
E-5, Arera Colony, ... (M.P.)

comp3 DESKTOP/MI LATTERS

प्रभारी अधिकारी
(खनिज शाखा)
नरसिंहपुर

जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट

1 प्रस्तावना

नरसिंहपुर जिला मध्य प्रदेश के मध्य भाग में स्थित है मध्य प्रदेश भारत के मध्य भाग में स्थित है। नरसिंहपुर जिला देश में स्थित होने के कारण एक विशेष महत्व रखता है। यह अपनी प्राकृतिक स्थिति के कारण भी विशेष ध्यान आकर्षित करता है। उत्तरी छोर पर विंध्याचल दक्षिणी छोर पर संपूर्ण लंबाई में सतपुड़ा पर्वत श्रृंखलाएं हैं। उत्तरी भाग में नर्मदा नदी पूर्व से पश्चिम की ओर बहती है। जो गंगा नदी के समान पवित्र है। नरसिंहपुर जिले को नर्मदा कछार के रूप में कई प्राकृतिक उपहार प्राप्त हुए हैं। प्राचीन काल में इस क्षेत्र पर कई राजवंशों का शासन था जिसमें महान ऐतिहासिक योद्धा रानी दुर्गावती भी शामिल थी, जिसे उस काल में विभिन्न नामों से प्रतिष्ठित किया गया था। अठारहवीं शताब्दी में जाट सरदारों ने एक बड़े मंदिर का निर्माण करवाया जिसमें भगवान नरसिम्हा की मूर्ति की पूजा की जाती है, इसलिए भगवान नरसिम्हा के नाम पर गांव में पूजा की जाती है। गड़रिया खेड़ा "नरसिंहपुर" बन गया बाद में यह जिले का मुख्यालय बन गया । नरसिंहपुर जिला मध्य प्रदेश के मध्य भाग में स्थित है और मध्य प्रदेश भारत के मध्य भाग में स्थित है। अक्षांश 22°45 उत्तर 23°15 उत्तर देशांतर 78°38 पूर्व 79°38 पूर्व क्षेत्र 5125.55 वर्ग कि. मी समुद्र से 359.8 मीटर ऊपर। नरसिंहपुर जिला देश में स्थित होने के कारण एक विशेष महत्व रखता है। यह अपनी प्राकृतिक स्थिति के कारण भी विशेष ध्यान आकर्षित करता है। उत्तरी छोर पर विंध्याचल और दक्षिणी छोर पर पूरी लंबाई में सतपुड़ा पर्वत श्रृंखलाएं हैं। उत्तरी भाग में नर्मदा नदी पूर्व से पश्चिम की ओर बहती है। जो गंगा नदी के समान पवित्र है। नरसिंहपुर जिला मध्य प्रदेश के मध्य भाग में स्थित है और मध्य प्रदेश भारत के मध्य भाग में स्थित है। नरसिंहपुर जिला देश में स्थित होने के कारण एक विशेष महत्व रखता है। यह अपनी प्राकृतिक स्थिति के कारण भी विशेष ध्यान आकर्षित करता है। उत्तरी छोर पर विंध्याचल और दक्षिणी छोर पर पूरी लंबाई में सतपुड़ा पर्वत श्रृंखलाएं हैं। उत्तरी भाग में नर्मदा नदी पूर्व से पश्चिम की ओर बहती है। जो गंगा नदी के समान पवित्र है। नरसिंहपुर जिले को नर्मदा कछार के रूप में कई प्राकृतिक उपहार प्राप्त हुए हैं। प्राचीन काल में इस क्षेत्र पर कई राजवंशों का शासन था, जिसमें महान ऐतिहासिक योद्धा रानी दुर्गावती भी शामिल थी, जिसे उस काल में विभिन्न नामों से प्रतिष्ठित किया गया था। अठारहवीं शताब्दी में जाट सरदारों ने एक बड़ा मंदिर बनवाया, जिसमें भगवान नरसिम्हा की मूर्ति रखी और पूजा की गई और इसी तरह भगवान नरसिम्हा के नाम पर गांव गडरिया खेड़ा "नरसिंहपुर" बन गया और बाद में यह जिले का मुख्यालय बन गया। नरसिंहपुर जिले में कई ऐतिहासिक चट्टानें हैं जिनका समय–समय पर विभिन्न पुरातत्व सर्वेक्षणों के दौरान सम्मान किया जाता रहा है। जिले के नरसिंहपुर जिले में प्रकाशित गजेटियर के अनुसार लगभग 10 कि.मी. गाडरवारा से दूर भात्रा नामक गाँव कुछ "जानवरों के जीवाश्म" और उक्त पत्थरों के उपकरण मोड विभिन्न सर्वेक्षणों के दौरान पाए जाते हैं। अन्य सर्वेक्षणों के दौरान देवकछार धुबघाट कुमाड़ी रतिकारर और ब्रम्हंघाट में विभिन्न प्राचीन स्मारक आर अवशेष भी पाए जाते हैं। प्राचीन काल की वास्तुकला को दर्शाने वाली चट्टानों की गुफाएँ बिजोरी नामक गाँव में भी पाई जाती हैं जो इस जिले के प्राचीन काल के साथ–साथ ब्रम्हघाट और झाँसीघाट के बीच नर्मदा नदी के तट पर आयोजित विभिन्न सेवा के दौरान विभिन्न "जीवाश्म" और प्राचीन उपकरण भी इस क्षेत्र के ऐतिहासिक और प्राचीन काल को दर्शाते हुए पाए जाते हैं। इस क्षेत्र में खोजे गए ऐतिहासिक चित्रों के अनुसार, रामायण और महाभारत के समय भी प्रतिक्रिया जीतते हैं। संदर्भ के अनुसार, बर्मान–घाट वह स्थान है जहां भगवान ब्रम्हा ने नर्मदा नदी के पवित्र तट पर एक यज्ञ किया था।ब्लॉक चावरपाठा के बिल्थारी ग्राम को पहले बालिष्ठाली के नाम से जाना जाता था। यह स्थान राजा बलि के स्थान के रूप में जाना जाता था। पुराणों के अनुसार महाभारत काल में बरमनघाट के निकट सतधारा के पांडव नर्मदा नदी के जल प्रवाह को एक ही रात में बांध देते थे। कहा जाता है कि पांडवों ने अपने वनवास का कुछ समय इसी स्थान पर बिताया था, जिसकी पुष्टि भीम कुंड और अर्जुन कुंड जैसे स्थानों से होती है। संकल्पघाट के पास एक गुफा भी भगवान आदि गुरु शंकराचार्य के ध्यान और अध्ययन क स्थान से जुड़ी हुई थी।

State Level Environment Impact Assessment Authority, M.P. (EPCO) Paryavaran Parisar E-5, Arera Colony, B...pal (M.P.)

प्रभारी अधिकारी
(खनिज शाखा)
नरसिंहपुर

नरसिंहपुर जिला की नक्शे में स्थिति

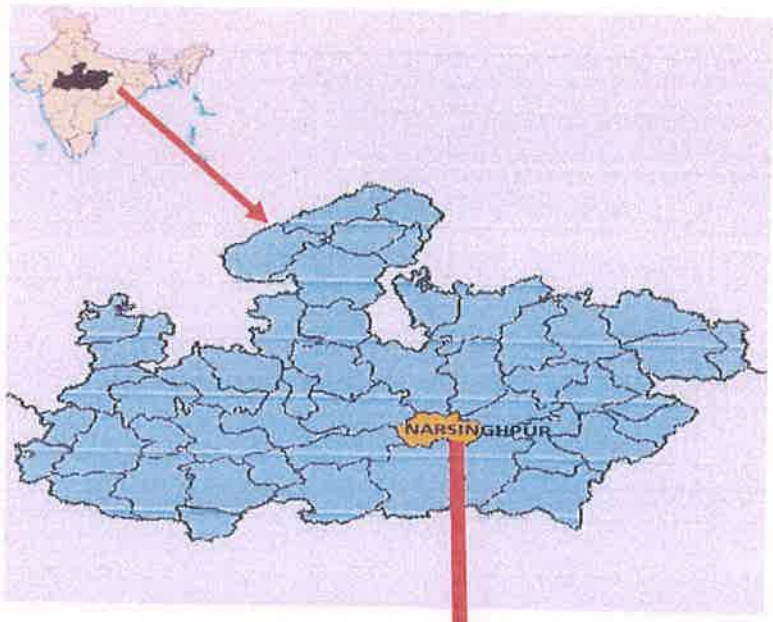

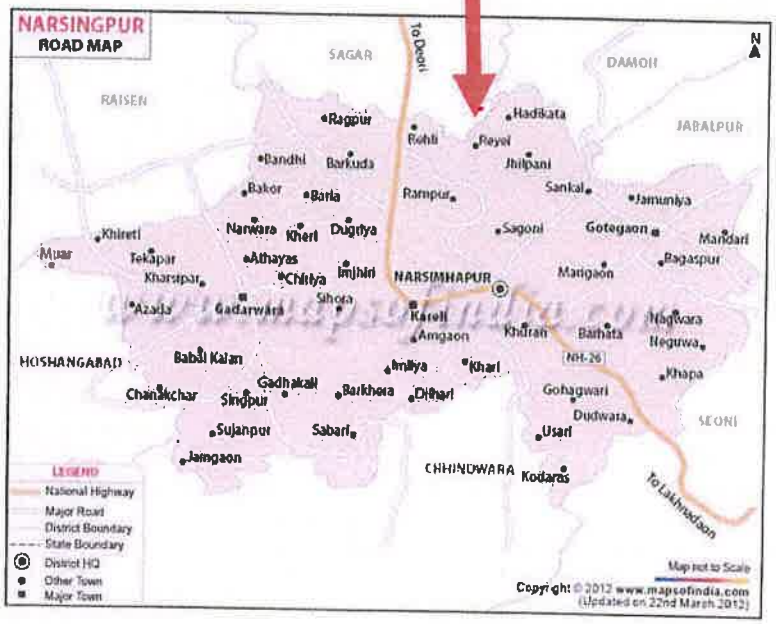

State Level Environment Impact Assessment Authority, M.P. (EPCO) Paryavaran Parisar E-5, Arera Colony, Bhopal (M.P.)

प्रभारी अधिकारी
(खनिज शाखा)
नरसिंहपुर

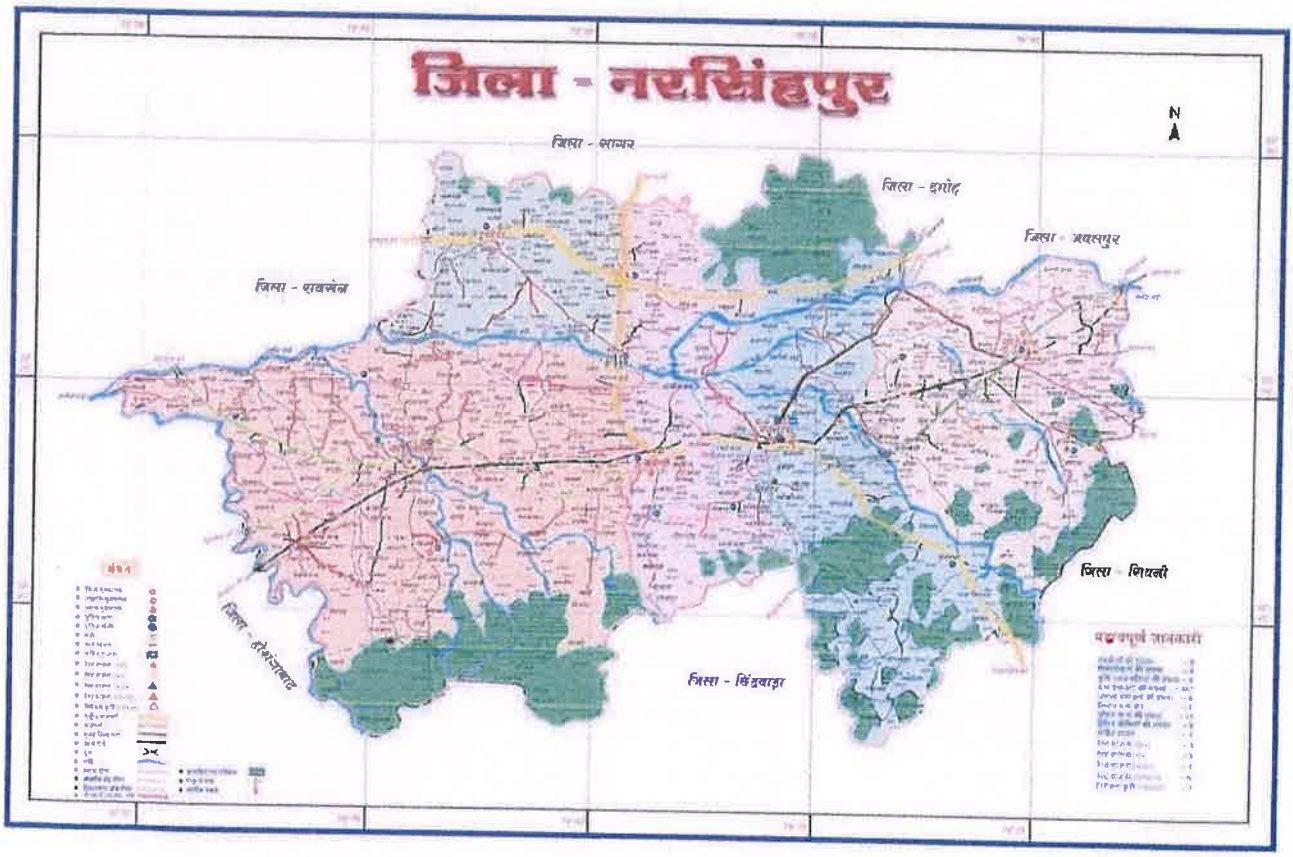

State Level Environment Impact
Assessment Authority, M.P.
(EPCO)
Paryavaran Parisar
E-5, Arera Colony, Bhopal (M.P.)

प्रभारी अधिकारी
(खनिज शाखा)
नरसिंहपुर

जिले की सामान्य जानकारी

राजस्व प्रशासन

नाम	कुल
राजस्व उपखण्ड	04
राजस्व आर.आई.सर्कल	21
राजस्व तहसील	06

राजस्व उपखण्ड

कमांक	
1	नरसिंहपुर
2	गाडरवारा
3	गोटेगांव
4	तेंदूखेड़ा

राजस्व तहसील

कमांक	नाम
1	नरसिंहपुर
2	गोटेगांव
3	गाडरवारा
4	करेली
5	तेंदूखेड़ा
6	सांईखेड़ा

लोकल बॉडी

नाम	जानकारी
ब्लॉक	06
पंचायत	457
ग्राम	1077
अर्बन लोकल बॉडी	08

State Level Environment Impact
Assessment Authority, M.P.
(EPCO)
Paryavaran Parisar
E-5, Arera Colony, Bhopal (M.P.)

प्रभारी अधिकारी
(खनिज शाखा)
नरसिंहपुर

जिला नरसिंहपुर का अधिकांश भू–भाग एल्यूवियम क्षेत्र के अंतर्गत आता है एवं नर्मदा नदी इस जिले में लगभग 160 कि.मी. में बहती है। मुख्य खनिजों के रूप में कोयला, चूनापत्थर, डोलोमाइट, सोपस्टोन मिलते हैं तथा गौण खनिजों में रेत एवं गिट्टी हेतु बेसाल्ट पत्थर प्रचुर मात्रा में पाया जाता है।

जिले में 18 उत्खनिपट्टा स्वीकृत हैं जिसमें 17 पत्थर/गिट्टी एवं 01 खनिज मुरूम उत्खनिपट्टा है। गौण खनिज रेत की 36 खदानें जिले के उच्चतम निविदाकार मेसर्स धनलक्ष्मी मर्चेंडाईस के पक्ष मे स्वीकृत हैं। वर्तमान में कोयला खदान बंद है तथा लाईमस्टोन/डोलोमाइट/सोपस्टोन की 04 खदानें कियाशील है 01 खदान फायरक्ले की है।

3. जिल में स्वीकृत उत्खनिपट्टा की सूची जिला नरसिंहपुर

(List of Quarry lease)

क0	पट्टेधारी का नाम व पूरा पता	खनिज का नाम	स्वीकृत क्षेत्र हेक्टर में	पट्टे की स्थिति ग्राम व तहसील	अवधि	रिमार्क
1	2	3	4	5		7
1	मे0 नर्मदा मिनिरल्स इण्ड0, नरसिंहपुर	सोपस्टोन/ डोलामाईट	3.238	नांदिया तह0गोटेगांव	01.07.2016– 31.03.2030	कार्यशील
2	श्रीमती हफीजन बी, मगरधा	सोपस्टान/ डोलामाईट	4.864	बरहटा तह0गोटेगांव	19.03.2005– 18.03.2025	कार्यशील
3	श्री प्रदीप जैन, तेंदूखेड़ा	डोलामाईट/ लाईमस्टोन	6.817	कन्हैरी तह0तेन्दूखेड़ा	06.06.2002– 05.06.2022	कार्यशील
4	कुंअर वीरेन्द्र सिंह पटैल, नरसिंहपुर	फायरक्ले	7.441	चीलाचोन तह0नरसिंहपुर	15.01.2017– 13.01.2047	कार्यशील

(खनिज शाखा)
नरसिंहपुर

State Level Environment Impact Assessment Authority, M.P. (EPCO) Paryavaran Parisar E-5, Arera Colony, Bhopal (M.P.)

नक्शा नंबर – 3

State Level Environment Impact
Assessment Authority, M.P.
(EPCO)
Paryavaran Parisar
E-5, Arera Colony, Bhopal (M.P.)

प्रभारी अधिकारी
(खनिज शाखा)

4. पिछले 03 वर्षों के दौरान प्राप्त स्वामित्व या राजस्व के ब्यौरे

कमांक	केफियत	वर्ष 2018–19	वर्ष 2019–20	वर्ष 2020–21
1	मुख्य खनिज	रू. 34,24,000.00	रू. 3,13,22,383.00	रू. 48,00,000.00
2	गौण खनिज	रू. 19,34,76,000.00	रू. 21,63,30,677.00	रू. 13,32,37,692.00
3	अवैध परिवहन	रू. 36,61,900.00	रू. 28,24,395.00	रू. 59,17,330.00
4	अवैध उत्खनन	रू. 17,03,650.00	**रू. 12,71,450.00**	रू. 6,00,000.00
5	अवैध भण्डारण	रू. 0.00	रू 2,10,000.00	रू. 0.00

पिछले तीन वर्षों के दौरान गौंण खनिज के उत्पादन का विवरण

खनिज का नाम	वित्तीय वर्ष 2018–19	वित्तीय वर्ष 2019–20	वित्तीय वर्ष 2020–21
बोल्डर	300.00 घ.मी.	50.00 घ.मी.	0.00 घ.मी.
गिटटी	100524.55 घ.मी.	74363.98 घ.मी.	82347.82 घ.मी.
मुरूम	3241.66 घ.मी.	102601.56 घ.मी.	11810.92 घ.मी.
मिट्टी	807.90 घ.मी.	2000.00 घ.मी.	304675.00 घ.मी.
डोलोमाइट	8183.70 मि.टन	9455.57 मि.टन	102806.68 मि.टन
फायरक्ले	334.34 मि.टन	29.26 मि.टन	189.17 मि.टन

पिछले तीन वर्षों के दौरान गौंण खनिज के राजस्व का विवरण

खनिज का नाम	वित्तीय वर्ष 2018–19	वित्तीय वर्ष 2019–20 (रू. में)	वित्तीय वर्ष 2020–21 (रू. में)
बोल्डर	15000	2500	0
गिटटी	10052455	7436398	8234782
मुरूम	162083	5130078	590546
मिट्टी	80790	200000	30467500
डोलोमाइट	613778	709168	710501
फायरक्ले	187234	16390	113502

5. नरसिंहपुर जिले की सामान्य प्रोफाइलः–

1. **लोकेशन–**

   अक्षांश **22°45' - 23.15' Lattitude**

   देशांतर **78°38' - 19.38' Longitude**

2. कुल तहसील/ब्लॉक – 5/6
   कुल पंचायत/ग्राम – 457/1086
   कुल आबादी (2011) – 1092,141
   सामान्य रेनफाल – 1217.6(mm)

3. **जियोमार्फोलाजी**

   मेजर फिजियोग्राफी यूनिट
   दक्षिण सतपुड़ा हिल रेंज
   नर्मदा एल्यूवियम प्लेन
   उत्तरी विंध्ययन रेंज

State Level Environment Impact Assessment Authority, M.P. (EPCO) Paryavaran E-5, Arera Colony, ...

प्रभारी अधिकारी
(खनिज शाखा)

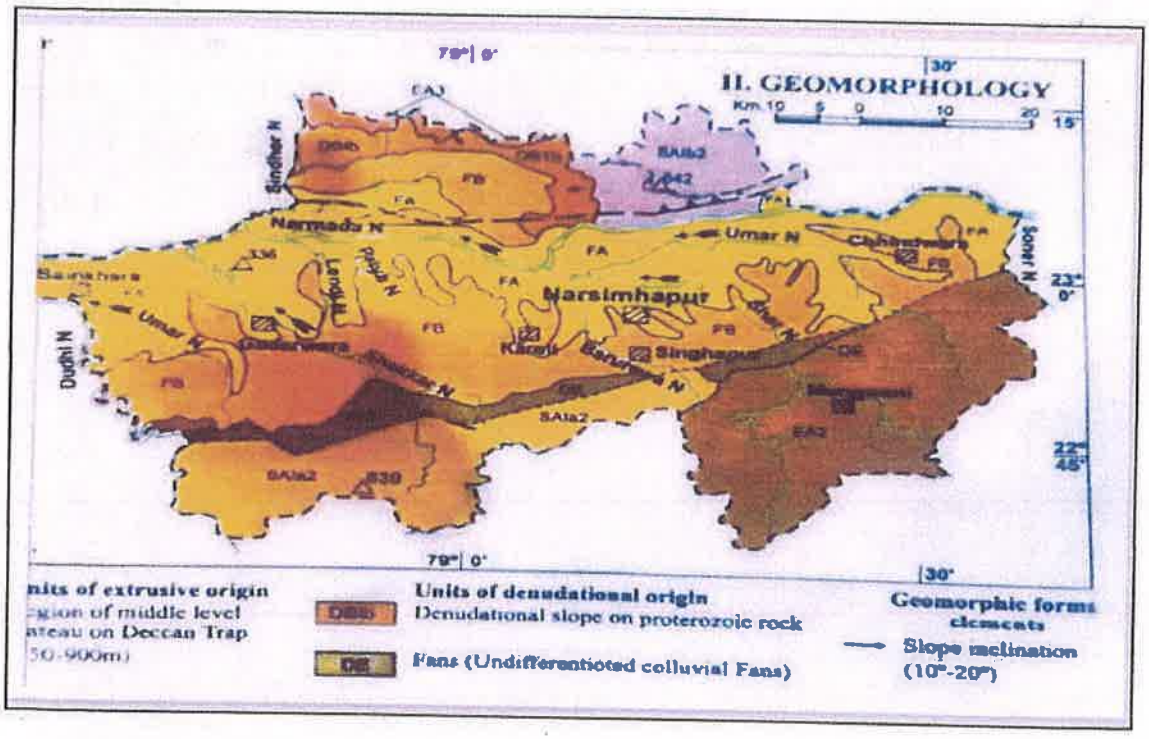

4. मुख्य नदी

नर्मदा, शक्कर, दुधी, शेर

5. लेंड यूज IN(Km²)

1. फारेस्ट एरिया 106929.37 हे.
2. कुल कृषि क्षेत्र 310660 हे.

6. मूमि का प्रकार(soil type)

मुख्य भूमि का प्रकार – एल्यूवियम
मुख्य फसलें – गन्ना, गेहूं, अरहर, सोयाबीन

7. सिंचाई सुविधा

कुंए (Dug Well) – 25913,929.75 Km²सिंचित क्षेत्र
नलकूप 4738 – 774.13 Km² –सिंचित क्षेत्र
टैंक – 1 नं –0.8 Km²–सिंचित क्षेत्र
केनाल–13 नं. 10.95 Km²–सिंचित क्षेत्र
कुल सिंचित क्षेत्र 1851.70 Km² –सिंचित क्षेत्र

State Level Environment Impact Assessment Authority, M.P. (EPCO) Paryavaran Parisar E-5, Arera Colony, Bhopal (M.P.)

(खनिज शाखा)
नरसिंहपुर

8. जियोलॉजी–

एल्यूवियम (80%)
डेक्कन ट्रेप बेसाल्ट
गोंडवाना फार्मेशन (कोलसीम)
विंध्ययन सेंडस्टोन
महाकौशल एवं आर्कियन रॉक्स

9. हाइड्रोजियोलॉजी–

Major water Bearing Formation
Alluvium (80% Area)
Weathered vesicular Basalt
Flow contacts and Fractured sandstone
प्री मानसून स्टेटिक वाटर लेबल – 4.15–18.6 mbgl
पोस्टमानसून – 2.26–20.72 mbgl
भू–जल की गुणवत्ता– (पीने योग्य पानी)
भू–जल दोहन– 1. क्रिटिकल ब्लॉक–नरसिंहपुर
2 सेमी क्रिटिकल ब्लॉक चावर पाठा, करेली, गोटेगांव
भू–जल का ट्रेंड – Decline Water Levels

6. जिले में भूमि के उपयोग का पैटर्न:–

1. वन:–

वनमण्डल नरसिंहपुर की कुल वनक्षेत्र का रकबा 106929.37 हेक्टेयर है। वनमण्डल नरसिंहपुर अंतर्गत 47959.95 हेक्टेयर आरक्षित एवं 58969.42 हेक्टेयर संरक्षित वन है। वनमण्डल नरसिंहपुर अंतर्गत 24 वन सर्कल (उप परिक्षेत्र) है। वनमण्डल नरसिंहपुर के अंतर्गत सागौन, साजा, लेड़िया, धावड़ा, तेंदू, अचार, मुण्डी, भिर्रा, महुआ, बीजा, कारी, कसई, तिन्सा, आंवला, बहेड़ा, खैर, कुसुम, अमलतास, अंजन, धोबन, मोयन, हर्रा एवं अन्य प्रजातियां वृक्षों की प्रजातियां हैं। वर्ष 2018 की वन्यप्राणी जनगणना के आधार पर तेंदूआ, भालू, बाघ, हायना, जंगल केट, जेकॉल वन्यप्राणी की प्रजातियां हैं।वनमण्डल नरसिंहपुर के अधिकार क्षेत्र अंतर्गत कोई अभ्यारण्य, राष्ट्रीय उद्यान, नेशनल पार्क नहीं है।

2. कृषि क्षेत्र :–

नरसिंहपुर जिला कृषि प्रधान जिला है एवं शुद्ध कृषि क्षेत्रफल 310662 हे. है। इस जिले का 80 भू–भाग एल्यूवियम है।

State Level Environment Impact
Assessment Authority, M.P.
(EPCO)
Paryavaran Parisar
E-5, Arera Colony, Bhopal (M.P.)

प्रभारी अधिकारी
(खनिज शाखा)
नरसिंहपुर

भूमि उपयोग वर्गीकरण संभाग–जबलपुर

इकाई हजार हे.

जिला	शुद्ध कृषि क्षेत्र 2020–21	खरीफ क्षेत्रफल 2020	रबी क्षेत्रफल 2020–21	द्विफसली क्षेत्र 2020–21	सिंचित क्षेत्र 2020–21	फसल सघनता 2020–21 (%)	पड़त भूमि 2020–21
बालाघाट	303.8	302.	199.1	174.00	170.6	156	15.0
छिंदवाड़ा	511.3	488.9	368.0	350.2	238.0	168	40.7
जबलपुर	279.0	223.8	261.9	198.4	264.8	193	16.2
कटनी	239.1	213.4	224.4	199.1	223.7	183	18.5
मण्डला	227.1	220.7	161.9	143.5	53.89	165	46.5
डिण्डौरी	240.0	223.0	137.5	66.5	195.0	150	34.4
नरसिंहपुर	310.0	229.1	312.3	205.3	275.6	173	5.3
सिवनी	506.3	433.0	341.5	291.5	279.0	153	27.5
योग	**2616.6**	**2334.8**	**2006.6**	**1628.5**	**1700.5**	**166**	**204.1**

क्षेत्राच्छादन एवं उत्पादकता खरीफ 2021

जिला नरसिंहपुर

फसल का न ाम	क्षेत्राच्छादन(हजार हे. में)			2019 की पूर्ति के विरूद्ध 2020 की पूर्ति का %	वर्ष 2020 की पूर्ति के विरूद्ध लक्ष्य का %	उत्पादकता(कि.ग्रा./हे.)			2019 की पूर्ति के विरूद्ध 2020 की पूर्ति का %	वर्ष 2020 की पूर्ति के विरूद्ध लक्ष्य का %
	पूर्ति 2019	पूर्ति 2020	प्रस्ताि वत लक्ष्य 2021			पूर्ति 2019	पूर्ति 2020	प्रस्तावि त लक्ष्य 2021		
धान	**55.0**	**71.0**	**75.0**	**129**	**106**	**4410**	**4500**	**4550**	**102**	**101**
मक्का	**23.5**	**32.1**	**32.5**	**137**	**101**	**2800**	**150**	**3200**	**113**	**102**
ज्वार	**0.5**	**2.1**	**2.0**	**420**	**95**	**2500**	**2850**	**2900**	**114**	**102**
उड़द	**50.0**	**42.0**	**45.0**	**84**	**107**	**150**	**120**	**1050**	**80**	**875**
मूंग	**4.5**	**2.5**	**4.5**	**56**	**180**	**125**	**90**	**950**	**72**	**1056**
अरहर	**40.0**	**35.0**	**45.0**	**88**	**129**	**1810**	**1850**	**1900**	**102**	**103**
तिल	**0.5**	**0.3**	**1.0**	**60**	**333**	**530**	**500**	**550**	**94**	**110**
मूंगफली	**0.04**	**0.1**	**0.1**	**250**	**100**	**1800**	**1780**	**1790**	**99**	**101**
सोयाबीन	**25.0**	**38.0**	**21.0**	**175**	**48**	**1250**	**150**	**1450**	**12**	**967**
योग	**199.2**	**223.1**	**226.1**	**115**	**99**	**2120**	**2200**	**2740**	**104**	**125**

State Level Environment Impact Assessment Authority, M.P. (EPCO) Paryavaran Parisar E-5, Arera Colony, Bhopal (M.P.)

उप संचालक
(खनिज शाखा)
नरसिंहपुर

क्षेत्राच्छादन एवं उत्पादकता रबी 2021

जिला नरसिंहपुर

फसल का नाम	क्षेत्राच्छादन(हजार हे. में)			विगत वर्ष के विरूद्ध प्रगति का %	लक्ष्य के विरूद्ध प्रगति का %	उत्पादकता(कि.ग्रा./हे.)			विगत वर्ष के विरूद्ध प्रगति का %	लक्ष्य के विरूद्ध प्रगति का %
	पूर्ति 2019	लक्ष्य 2020	पूर्ति 20–2021			पूर्ति 2019	लक्ष्य 2020	पूर्ति 20–2021		
गेहूं	129.0	102.0	125.0	97	123	4120	4300	4350	106	101
चना	73.6	90.0	82.6	112	92	1590	1700	1850	116	109
मटर	15.3	20.0	15.0	98	75	1110	1200	1275	115	106
मसूर	23.6	30.0	28.5	121	95	1250	1270	1310	105	103
सरसों	1.2	2.0	2.9	242	145	1210	1250	1350	112	108
अलसी	0.1	0.2	0.2	200	100	880	900	990	113	110
गन्ना	57.2	65.0	58.1	102	89	8030	9000	8580	107	95
कुल रबी	300.0	309.2	312.3	104	101	3850	4015	4020	104	100

3. **सिंचाई :–**

सिंचाई की दृष्टि से जिले में भूजल तक नहरों के माध्यम से सिंचाई की जाती है। कुल सिंचित रकवा 1851.70 वर्ग कि.मी है।

4. **उद्यान विभाग :–**

जिले में उद्यानिकी की आधारभूत जानकारी

इकाई–हेक्टेयर

नाम जिला	जिले का कुल क्षेत्रफल	कृषि/उद्यानिकी योग्य भूमि	कुल सिंचित रकवा	कुल असिंचित रकवा	उद्यानिकी का रकवा	जिले की कुल भूमि में से उद्यानिकी का रकवा प्रतिशत	कृषि योग्य भूमि में से उद्यानिकी का रकवा प्रतिशत
नरसिंहपुर	513651	310662	338628	27966	24151-50	4-70	7-77
योग	**513651**	**310662**	**338628**	**27966**	**24151-50**	**4-70**	**7-77**

State Level Environment Impact Assessment Authority, M.P. (EPCO) Paryavaran Parisar E-5, Arera Colony, Bhopal (M.P.)

प्रभारी अधिकारी (खनिज शाखा) नरसिंहपुर

वर्ष 2019–20 एवं 2020–21 का उद्यानिकी रकवा एवं उत्पादन की जानकारी जिला नरसिंहपुर

उद्यानिकी फसल का नाम	वर्षवार रकवा (हेक्टेयर)				क्षेत्रफल में वृद्धि का प्रतिशत	क्षेत्रफल में प्रस्तावित वृद्धि%
	2019–20		2020–21			
	रकवा	उत्पादन	रकवा	उत्पादन		
फल	2206.900	31139.50	2207.170	31101.96	0.01	2
सब्जी	16334.100	251010.18	16387.100	253894.18	0.32	3
मसाला	5303.300	37892.40	5303.000	37646.03	0	3
पुष्प	97.050	668.88	97.050	668.88	0	1
औषधीय	154.830	1139.21	156.830	1160.21	1.29	2
योग	**24059.88**	**321850**	**24151.15**	**324471.26**	**0.22**	**11**

5. **खनन :–**

जिले में मुख्य खनिज एवं गौंण खनिज दोनों ही प्राप्त होते हैं मुख्य खनिज के रूप में गाडरवारा तहसील में गोटीटोरिया के पास कोयला खदान है जिसमें पूर्व के वर्षों में उत्खनन किया जाता रहा है तथा लाइमस्टोन, डोलोमाइट, सोपस्टोन, की भी खदानें हैं जो कि फोरस्ट जोन में है। बहुत कम मात्रा में उत्पादन होता है गौण खनिज के अंतर्गत बेसाल्ट राक, क्वार्टज, चर्टयुक्त चूनापत्थर का उपयोग भवन निर्माण एवं मार्ग निर्माण सामग्री के रूप में किया जाता है एल्यूवियम फार्मेशन होने के कारण शक्कर एवं दूधी नदी में पर्याप्त मात्रा में रे उपलब्ध है तथा नर्मदा नदी में कुछ विशेष क्षेत्रों में ही रेत उपलब्ध है।

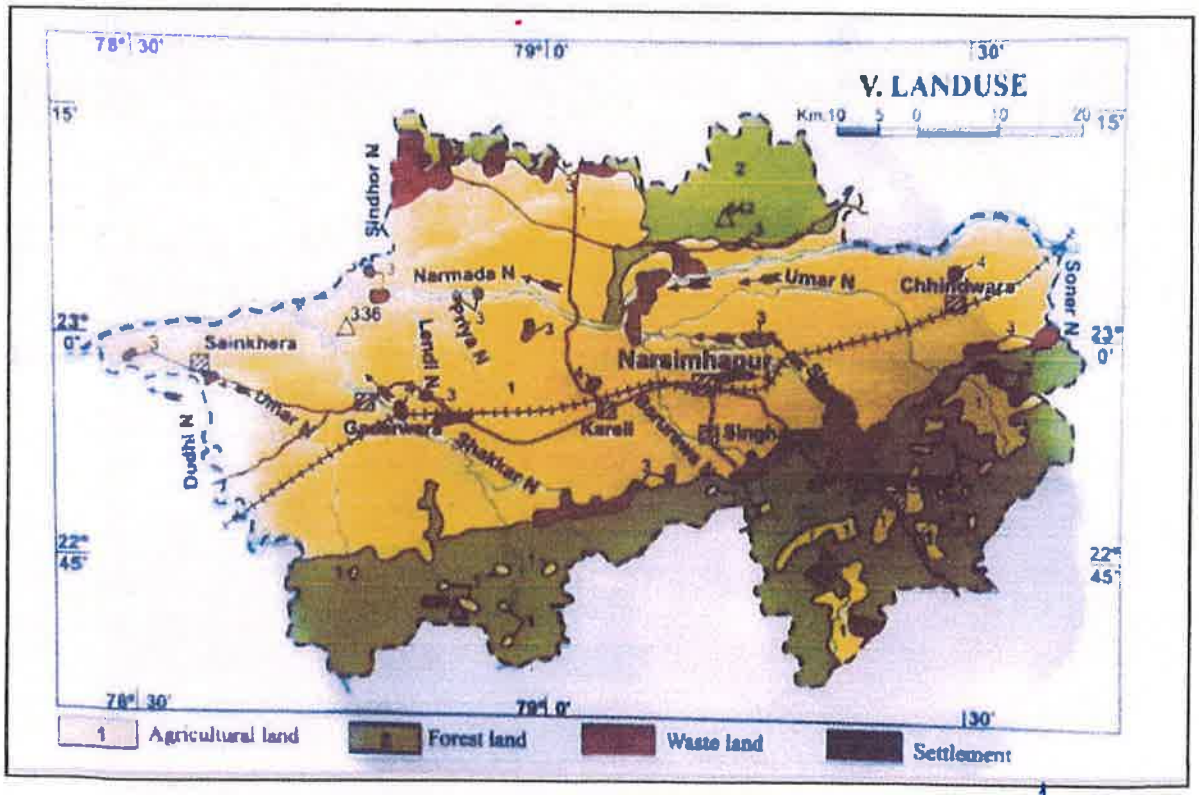

State Level Environment Impact Assessment Authority, M.P. (EPCO) Paryavaran Parisar E-5, Arera Colony, Bhopal (M.P.)

(खनिज शाखा)
नरसिंहपुर

7 जिले की भू–भौगोलिकी (Physiography of the Area):

1. भौगोलिक रूप से यह जिला तीन भागों में विभक्त है जिले के अंतर्गत पूर्वी नर्मदा घाटी का भाग दक्षिण में सीमा का निर्माण करने वाली सतपुड़ा पहाड़ियों की सतत्, श्रृंखला और उत्तर में विंध्ययन पठार का कुछ भाग आता है। जिसकी अधिकतम ऊंचाई 2167 फीट है।
2. नरसिंहपुर जिला म.प्र. राज्य में ऊपरी नर्मदा घाटी में स्थित है तथा इसका क्षेत्रफल 5125 किमी. है। यह जिला उत्तर में रायसेन, सागर, जबलपुर व दमोह दक्षिण में छिंदवाड़ा दक्षिण पूर्व में सिवनी, पश्चिम में होशंगाबाद से परिसीमित है। यह जिला सर्वे ऑफ इंडिया की डिग्रीशीट संख्या 55, L, M, J, N के अंतर्गत 22°36' - 23.16' Lattitude 78°25' - 79.40' Lattitude के अंतर्गत चतुर्भजाकार में परीसीमित है।
3. भू–आकृतिकी की रूप में यह जिला पूर्व पश्चिम दिशा में जनित तीन सकरी पट्टियों में विभाजित है। उत्तरी पट्टी विंध्ययन महासमूह के शैल प्रकारों से विकसित विंध्ययन पर्वतमाला के दक्षिणी खड़े चट्टानों द्वारा दर्शित है। मध्य जलोढक मैदान (Alluvium Plain) नर्मदा नदी के दक्षिण में व्यापक क्षेत्र में तथा उत्तर में सकरी पट्टी के रूप में व्याप्त है। दक्षिणी पर्वत क्षेत्र सतपुड़ा पर्वत मालाओं से निर्मित है। जिले की प्रमुख नदी नर्मदा नदी की जिले में लगभग 136 कि.मी बहती है तथा शेर नदी लगभग 128 किमी जिले में बहती है यह नदी लखनादौन (सिवनी जिला) के पास निकलती है तथा ग्राम रातीकरार के पास नर्मदा नदी में मिलती है इस नदी की सहायक नदी माचारेवा, बारूरेवा, और उमर है। इसी प्रकार शक्कर नदी (66.25 कि.मी. बहकर) गोसलपुर के निकट नर्मदा नदी में मिलती है। शक्कर नदी का उद्गम छिंदवाड़ा के समीप अमरवाड़ा के समीप है।

सीतारेवा नदीः– छिंदवाड़ा जिले के पहाड़ से निकलकर जिले में 21.25 कि.मी. बहने के बाद गाडरवारा के समीप शक्कर नदी में मिल जाती है।

दूधी नदीः– यह नदी छिंदवाड़ा जिले से निकलकर लगभग 85 कि.मी. जिले में बहती है एवं यह नदी अपने 85 कि.मी. लंबे मार्ग में अधिकांश भाग में नरसिंहपुर और होंशंगाबाद जिलों की सीमा का निर्माण करती हुई बहती है। इसका बहाव उत्तर पूर्व की ओर है। नदी जिले में रेत उपलब्ध कराती है।

हिरन नदीः–यह नदी अपने मार्ग के कुछ कि.मी. में नरसिंहपुर जबलपुर के बीच सीमा का निर्माण करती है और संकण ग्राम के पास नर्मदा नदी में मिलती हैं।

State Level Environment Impact Assessment Authority, M.P. (EPCO) Paryavaran Parisar E-5, Arera Colony, Bhopal (M.P.)

खनिज अधिकारी
(खनिज शाखा)
नरसिंहपुर

जिला नरसिंहपुर का ड्रैनेज मानचित्र

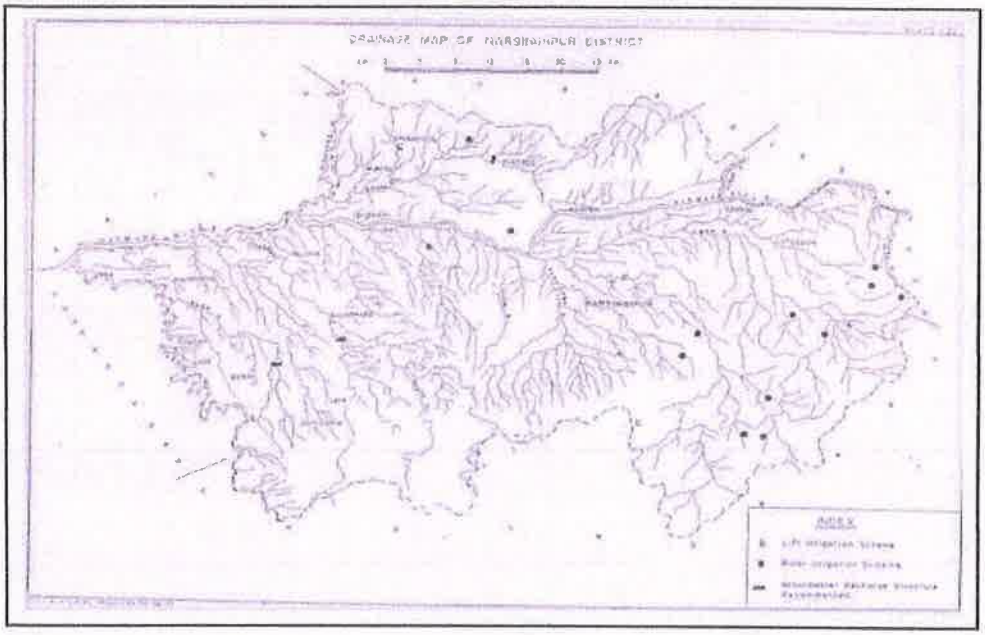

जिला नरसिंहपुर का नदी मानचित्र

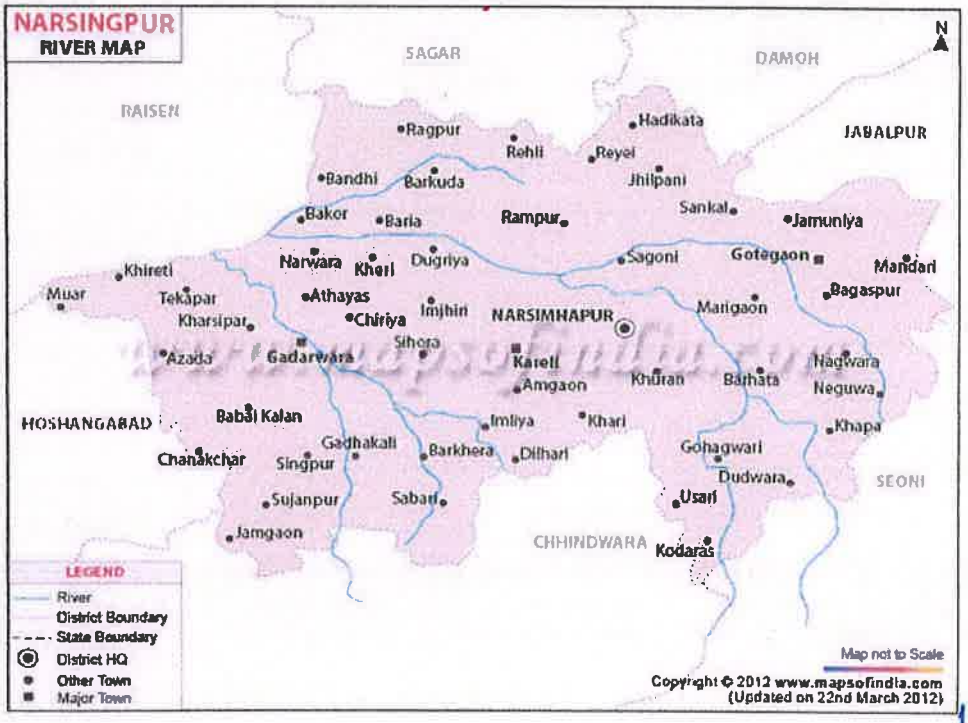

State Level Environment Impact
Assessment Authority, M.P.
(EPCO)
Paryavaran Parisar
E-5, Arera Colony, Bhopal (M.P.)

खनिज अधिकारी
(खनिज शाखा)
नरसिंहपुर

8 जिले के तहसीलवार वर्षा की जानकारी

01 जून 2018 से दिनांक 15 अक्टूबर 2018 तक

जिला नरसिंहपुर

मि.मी.

माह का नाम	तहसील/वर्षामापी केन्द्र										योग जिला	
	नरसिंहपुर		करेली		गेटेगांव		गाडरवारा		तेंदूखेड़ा			
	चालू वर्ष	गत वर्ष	चालू वर्ष	गत वर्ष	चालू वर्ष	गत वर्ष	चालू वर्ष	गत वर्ष	चालू वर्ष	गत वर्ष	चालू वर्ष	गत वर्ष
जून	176.0	164.0	108.0	91.0	126.0	127.0	159.0	84.0	82.0	93.0	651.0	559.0
जुलाई	377.0	340.0	255.0	227.0	380.0	360.0	273.0	265.0	386.0	287.0	1671.0	1479.
अगस्त	341.0	135.0	254.0	121.0	521.0	89.0	186.0	144.0	288.0	215.0	1590.0	704.0
सितंबर	171.0	214.0	160.0	220.0	154.0	86.0	197.0	198.0	148.0	223.0	830.0	941.0
अक्टूबर	0.0	49.0	0.0	27.0	0.0	0.0	0.0	19.0	0.0	6.0	0.0	101.0
योग	1065.0	902.0	777.0	686.0	1181.0	662.0	815.0	710.0	904.0	824.0	4742.0	3784.0
औसत वर्षा मिमी में	213.0	180.4	155.4	137.2	236.2	132.4	163.0	142.0	180.8	164.8	948.4	756.8
औसत वर्षा इंच में	8.4	7.1	6.1	5.4	9.3	5.2	6.4	5.6	7.1	6.5	37.3	29.8

जिले के तहसीलवार वर्षा की जानकारी

01 जून 2019 से दिनांक 15 अक्टूबर 2019 तक

जिला नरसिंहपुर

मि.मी.

माह का नाम	तहसील/वर्षामापी केन्द्र										योग जिला	
	नरसिंहपुर		करेली		गेटेगांव		गाडरवारा		तेंदूखेड़ा			
	चालू वर्ष	गत वर्ष	चालू वर्ष	गत वर्ष	चालू वर्ष	गत वर्ष	चालू वर्ष	गत वर्ष	चालू वर्ष	गत वर्ष	चालू वर्ष	गत वर्ष
जून	150.0	176.0	109.0	108.0	67.0	126.0	42.0	159.0	51.0	82.0	419.0	651.0
जुलाई	446.0	377.0	370.0	255.0	464.	380.0	460.0	273.0	443.0	386.0	2183.0	1671.0
अगस्त	595.0	341.0	489.0	254.0	795.0	521.0	584.0	186.0	436.0	288.0	2899.0	1590.0
सितंबर	621.0	171.0	841.0	160.0	539.0	154.0	500.0	197.0	574.0	148.0	3075.0	830.0
अक्टूबर	0.0	0.0	0.0	0.0	3.0	0.0	0.0	0.	0.0	0.0	3.0	0.0
योग	1812.0	1065.0	1809.0	777.	1868.0	1181.0	1586.0	815.0	1504.0	904.0	8579.0	4742.0
औसत वर्षा मिमी में	362.4	213.0	361.8	155.4	373.6	236.2	317.2	163.0	300.8	180.8	1715.8	948.4
औसत वर्षा इंच में	14.3	8.4	14.2	6.1	14.7	93.	12.5	6.4	11.8	7.1	67.6	37.3

State Level Environment Impact
Assessment Authority, M.P.
(EPCO)
Paryavaran Parisar
E-5, Arera Colony, Bhopal (M.P.)

खनिज अधिकारी
(खनिज शाखा)
नरसिंहपुर

01 जून 2020 से दिनांक 15 अक्टूबर 2020 तक

जिला नरसिंहपुर

मि.मी.

माह का नाम	तहसील/वर्षामापी केन्द्र										योग जिला	
	नरसिंहपुर		करेली		गेटेगांव		गाडरवारा		तेंदूखेड़ा			
	चालू वर्ष	गत वर्ष	चालू वर्ष	गत वर्ष	चालू वर्ष	गत वर्ष	चालू वर्ष	गत वर्ष	चालू वर्ष	गत वर्ष	चालू वर्ष	गत वर्ष
जून	210.0	150.0	135.0	109.0	133.0	67.0	221.0	42.0	160.0	51.0	859.0	419.0
जुलाई	119.0	446.0	199.0	370.0	86.0	464.0	312.0	460.0	153.0	443.0	869.0	2183.0
अगस्त	883.0	595.0	675.0	489.0	452.0	795.0	719.0	584.0	464.0	436.0	3193.0	2899.0
सितंबर	113.0	621.0	79.0	841.0	164.0	539.0	207.0	500.0	168.0	574.0	731.0	3075.0
अक्टूबर	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0	3.0	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0	3.0
योग	1325.0	1812.0	1088.0	1809.0	835.0	1868.0	1459.0	1586.0	945.0	154.0	5652.0	8579.0
औसत वर्षा मिमी में	265.0	362.4	217.6	361.8	167.0	373.6	291.8	317.2	189.0	300.8	1130.4	1715.8
औसत वर्षा इंच में	10.4	14.3	8.6	14.2	6.6	14.7	11.5	12.5	7.4	11.8	44.5	67.6

जिले के तहसीलवार वर्षा की जानकारी
01 जून 2021 से दिनांक 15 अक्टूबर 2021 तक

जिला – नरसिंहपुर

मिमी.

माह का नाम	तहसील /वर्षामापी केन्द्र										योग जिला	
	नरसिंहपुर		करेली		गोटेगांव		गाडरवारा		तेन्दूखेड़ा			
	चालू वर्ष	गत वर्ष	चालू वर्ष	गत वर्ष	चालू वर्ष	गत वर्ष	चालू वर्ष	गत वर्ष	चालू वर्ष	गत वर्ष	चालू वर्ष	गत वर्ष
जून	313	210.0	283	135	222	133	376	221	407	160	1601	859
जुलाई	552	119.0	501	199	456	86	573	312.0	728	153	2810	869
अगस्त	664	883.0	608	675	538	452	858	719	969	464	3637	3193
सिंतम्बर	783	113.0	827	79	827	164	838	207.0	187	168	3463	731
अक्टूबर	780	0.0	827	0.0	827	0.0	839	0.0	1207	0.0	4480	0.0
योग	3092	1325.0	3046	1088.0	2870	835.0	3484	1459.0	3498	945.0	15985	5652
औसत वर्षा मिमी में	618.4	265.0	609.2	217.6	574	167.0	696.8	291.8	699.6	189.8	3198	1130.4
औसत वर्षा इंच में	24.3	10.4	23.9	8.6	22.5	6.6	27.4	11.5	27.5	7.4	125.9	44.5

State Level Environment Impact Assessment Authority, M.P. (EPCO) Paryavaran Parisar E-5, Arera Colony, Bhopal (M.P.)

प्रभारी अधिकारी
(खनिज शाखा)
नरसिंहपुर

9 जियोलोजी और खनिज सम्पदा (Geology and Mineral Resources)

भौमिकीय संरचना:

कल्प	शैल समूह		चट्टानों के प्रकार
रीसेंट	–		जलोढ़ मिट्टी
किटेशियस से पेलियोसीन	क्वार्टनरी डेक्कन ट्रेप (अमरकंटक समूह)		बालू, सिल्ट, क्ले, ग्रेवल, कांग्लोमेरेट सेंडीसिल्ट, सिल्ट क्ले, ग्रेवल कांग्लोमेरेट सेंड, सिल्टी सेंड, बेसाल्टिक डाईक एवं सिल, बेसाल्टिक प्रवाह, अन्तराट्रेपी, चूना पत्थर, चर्टी चूना पत्थर
लेट किटेशियस	लम्हेटा समूह		बालूपत्थर, मृतिका, चूना पत्थर केल्क कांग्लोमेरेट,
किटेशियस	जबलपुर समूह		बालूपत्थर, क्ले की बेड्स के साथ कोयला संस्तर
ट्राइसिक	बगरा–देनवा, गोंडवाना महासमूह		मृतिका, कांग्लोमेरेट, चूना पत्थर
परमियन से ट्राइसिक	बराकर समूह		बालू पत्थर, शैल, कोयला संस्तर
कार्बोनिफेरस से परमियन	तालचीर समूह		टिलाईट, शैल, बालूपत्थर
नियो प्रोटेरोजोइक	विंध्यन महासमूह	भांडेर समूह	बालूपत्थर, शैल
			बालूपत्थर
अंतबेधी			क्वार्टज शिरा, पेग्मेटाइट, एप्लाईट, ग्रेनाइट
पेलियो– प्रोटेरोजोइक	महाकौशल समूह		एमफीबोलाइट, मेटालावा, कांग्लोमेलेट ब्रेशिया, क्वार्टजाइट, फिलाइट/स्लेट, चूना पत्थर, डोलोमाइट, मार्बल, शिष्ट, ग्रेनाइट–नीस

प्रभारी अधिकारी
(खनिज शाखा)
नरसिंहपुर

State Level Environment Impact Assessment Authority, M.P. (EPCO)
Paryavaran Parisar
E-5, Arera Colony, Bhopal (M.P.)

भू– विज्ञान

नरसिंहपुर जिला मध्यप्रदेश की ऊपरी नर्मदा घाटी में स्थित है तथा इसका क्षेत्रफल 5125 वर्ग कि.मी. है। यह जिला भारतीय सर्वेक्षण विभाग डिग्रीशीट संख्या 55 आई, एम, जे, तथा एन के अंतर्गत 22°36' 23°16' उ. अक्षांशों तथा 78°25' 79°40' पू. देशांतरों के मध्यम पू.प. दिशा में लंबाई के साथ चतुर्भजाकार रूप में परिसीमित है। जिले का उत्तरी बिंदु कर्क रेखा (ट्रापिक ऑफ केंसर) से 27.36 कि.मी. दक्षिण दिशा में स्थित है। यह जिला उत्तर में रायसेन, सागर, दमोह व जबलपुर, दक्षिण में छिंदवाड़ा, दक्षिण पूर्व में सिवनी तथा पश्चिम में होशंगाबाद से परिसीमित है।

भू–आकृतिकी रूप से यह जिला पूर्व–पश्चिम दिशा में जनित 3 सकरी पट्टियों में विभाजित है। उत्तरी पट्टी विंध्यन महासमूह के शैल प्रकारों से विकसित विंध्यन पर्वत माला के दक्षिणी खड़े चट्टानों द्वारा दर्शित है। मध्य जलोढ़ मैदान नर्मदा नदी के दक्षिण में व्यापक क्षेत्र में तथा उत्तर में सकरी पट्टी के रूप में व्याप्त है। दक्षिणी पर्वत क्षेत्र सतपुड़ा पर्वत मालाओं से निर्मित है।

पैलियो–प्राटिरोजोइक शैल प्रकारों में क्वार्टज शिराएं तथा ग्रेनाइट्स प्रमुख रूप से पाए जाते हैं।महाकौशल समूह के शैल प्रकार चूना पत्थर, चर्ट ब्रेक्शिया, मेटा–बेसाल्ट, पर्तदार हेमेटाइट जेसपर, मेटा कांग्लोमेरेट, शिस्ट, क्वार्टजाइट तथा डोलोमिटिक चूना पत्थर से युक्त है। ये शैल प्रकार क्वार्टज शिराओं तथा डोलेराइट डाइको द्वारा भेदित हैं। इनमें से कुछ डाईक गार्नेट युक्त हॉर्नब्लेंड शिस्ट में परिवर्तित हो गई है। कुछ स्थानों पर ग्रेनाइट का शिस्ट के साथ दित सम्बंध है। इससे यह स्पष्ट है कि ग्रेनाइट एक से अधिक काल के है। पेग्मेटाइट के कुछ भाग नाइसेज तथा कार्यांतरित शैलों में पाये जाते हैं। नर्मदा नदी के उत्तर में विन्ध्यन महासमूह के शैल प्रकार विद्यमान है, तथा सूक्ष्मकणीय, लाल रंग के, कठोर " बालू–पत्थर तथा क्वार्टजाईट के साथ शैल के अंतर्स्तरों से युक्त है। बालू–पत्थर अधिकांशतः रिर्पिल मार्क्स को दशति हैं। इन शैल प्रकारों की चार सँरचना–स्तरों में दर्शाती है। जैसे ऊपरी रीवाँ बालू–पत्थर, अपर भांडेर चूना पत्थर, सिरवू शेल तथा ऊपरी भांडेर बालू पत्थर । गोंडवाना महासमूह के शैलप्रकार मोटे स्तरों के मोटे फेलस्पैथिक बालू पत्थर तथा अवरकार्बनयुक्त शैल के स्तरों, कोयला स्तरों तथा चर्ट के पतले स्तरों से दर्शित हैं। ये शैल प्रकार चार संरचना स्तरों में वर्गीकृत किये गये हैं जैसे तालचीर, देनवा, बागरा तथा जबलपुर संरचना–स्तर । तालचीर संरचना–स्तर में मुख्यतः टिलाइट, डायमिक्टाइट, खाकी शेल तथा बालू–पत्थर हैं। देनूवा संरचना स्तर बालू–पत्थर व वैरिगेटेड मृदा के स्तरों से युक्त हैं जो कि कैलकेरियस तथा कैल्साइट के बड़े गोलाश्मों से युक्त है। बांगरा संरचना–स्तर में वैरिंगेटेड मृदा, कांग्लोमिरेट तथा मटमैले से गुलाबी रंग के चूना पत्थर उपलब्ध है । जबलपुर संरचना–स्तर के शैल–प्रकार बालू–पत्थर के वृहत आकार जो कि सफेद मृदा के साथ अंर्तस्तरीय है सामान्यतः कांगलोमिरेट, लालमृदा व कार्बनयुक्त शैल से युक्त हैं। डेक्कन ट्रैप बेसाल्ट जिले के दक्षिणी तथा दक्षिण–पूर्वी भाग में पाये जाते हैं। विभिन्न प्रकार के लावा–स्तर क्षेत्र में पाये जाते हैं। जिनको चार संरचना–स्तरों में वर्गीकृत किया गया है । नर्मदा नदी तथा इसकी सहायक नदियों– दूधी, शेर एवं शक्कर, द्वारा वृहत जलोंढ़क के अवसाद चतुर्थकल्पीय निक्षेपों के रूप में पाये जाते हैं। ये जलोढ़क जिले के मध्य भाग में उपजाऊ मैदान का निर्माण करते हैं, सामान्यतः ये जलोढ़क लाल, पीली, हरी–पीली या खाकी तथा भूरी सिल्ट, महीन से मोटी बालू के स्तर तथा ग्रैवलं से युक्त हैं तथा इनको पाँच संरचना–स्तरों में वर्गीकृत किया गया है।

किशनपुर के पश्चिम में छोटी पहाड़ियों में क्वार्टज तथा क्वार्टज–क्रिस्टल पाये जाते हैं। कारपेड़ा तथा बागसपुर के निकट डोलोमाइट में टाल्क तथा सोपस्टोन पाया जाता है। विन्ध्यन क्वार्टजाइट, चर्ट युक्त चूना पत्थर तथा बेसाल्ट का उपयोग भवन तथा मार्ग निर्माण सामग्री के रूप में किया जाता है।

State Level Environment Impact Assessment Authority, M.P. (EPCO) Paryavaran Parisar E-5, Arera Colony, Bhopal (M.P.)

सहायक अधिकारी
(खनिज शाखा)
नरसिंहपुर

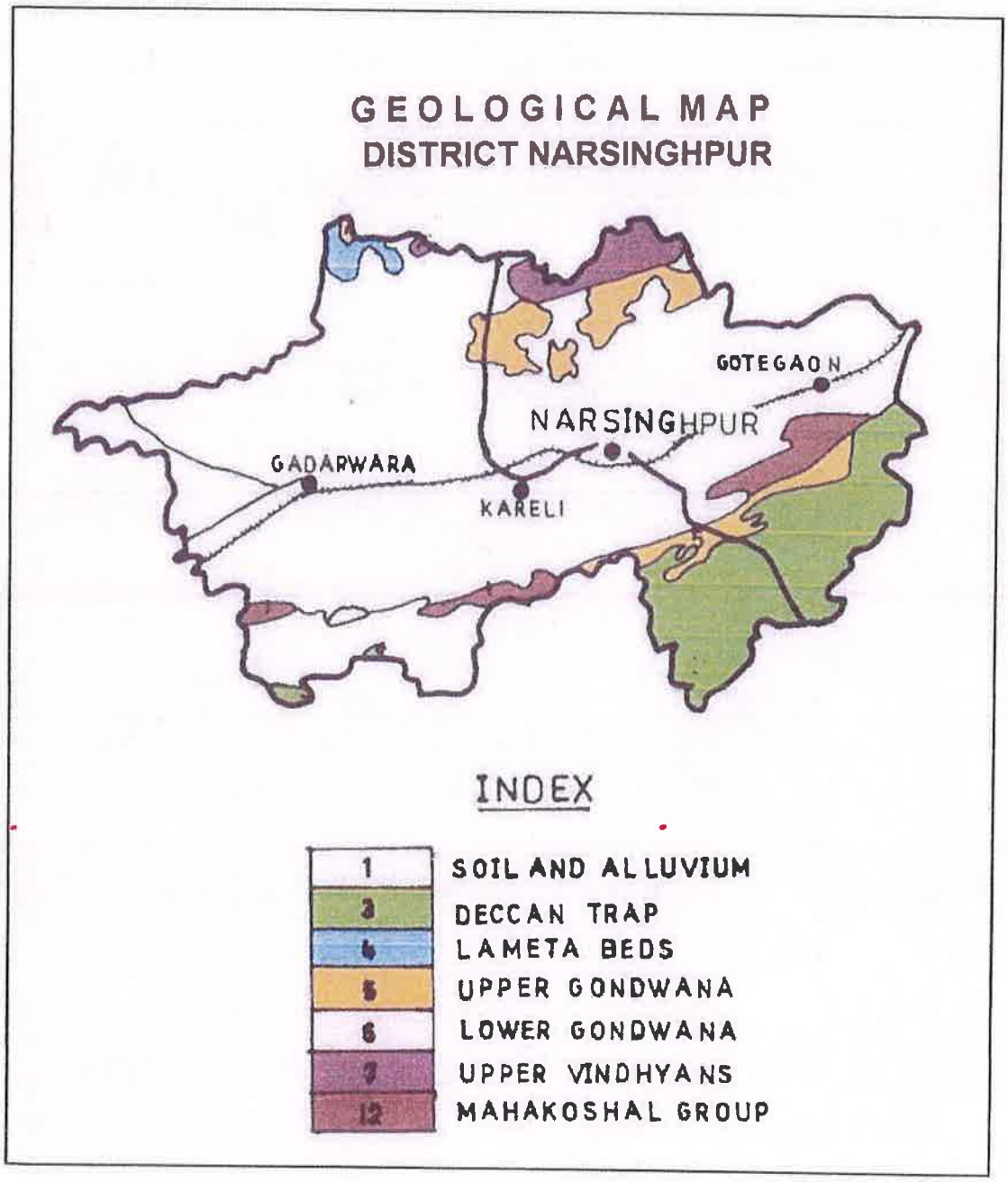

GEOLOGICAL MAP
DISTRICT NARSINGHPUR

प्रभारी अधिकारी
(खनिज शाखा)
नरसिंहपुर

State Level Environment Impact
Assessment Authority, M.P.
(EPCO)
Paryavaran Parisar
E-5, Arera Colony, Bhopal (M.P.)

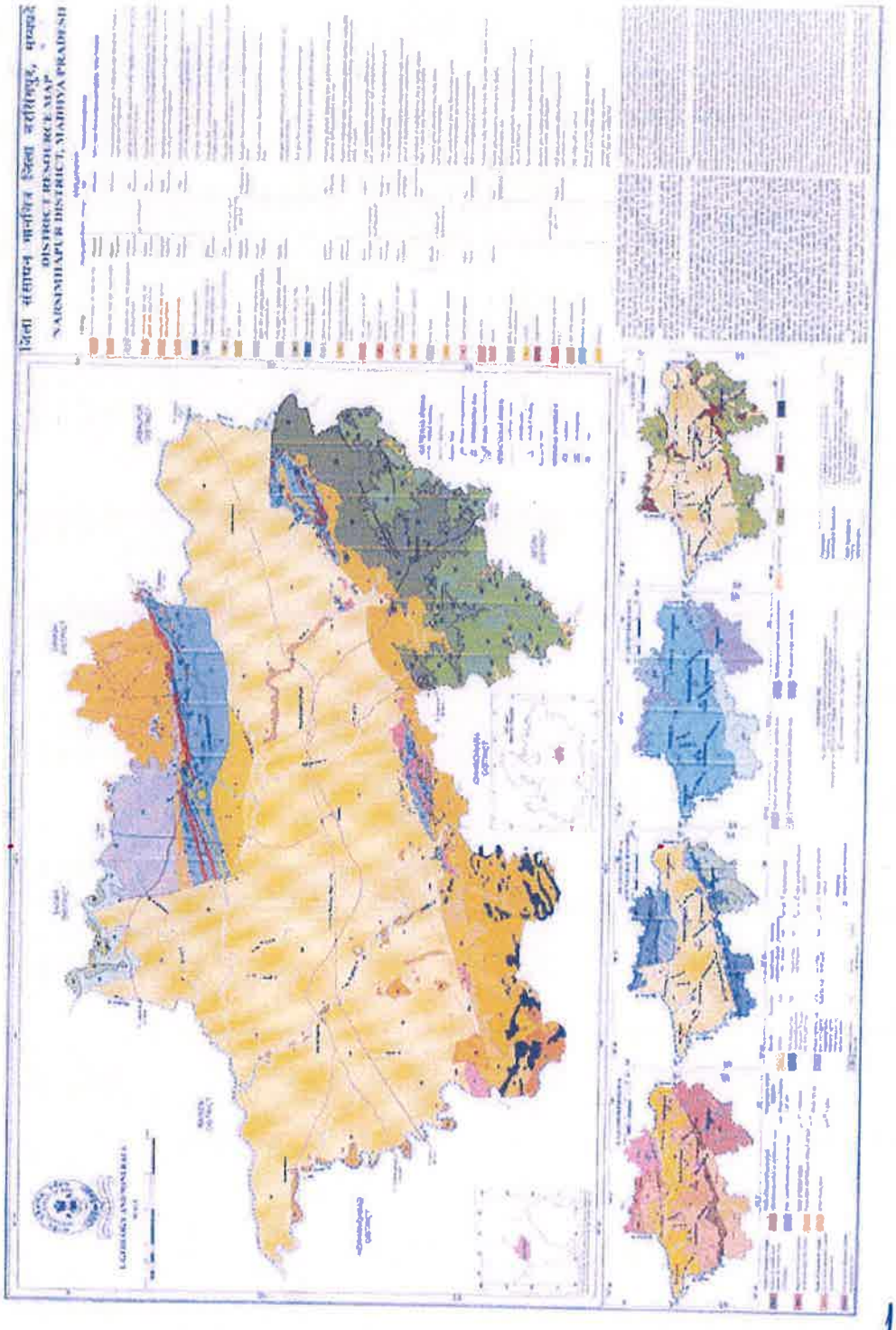

प्रभारी अधिकारी
(खनिज शाखा)
नरसिंहपुर

State Level Environment Impact
Assessment Authority, M.P.
(EPCO)
Paryavaran Parisar
E-5, Arera Colony, Bhopal (M.P.)

Fig. 2 : HYDROGEOLOGY, DISTRICT NARSIMHAPUR (M.P.)

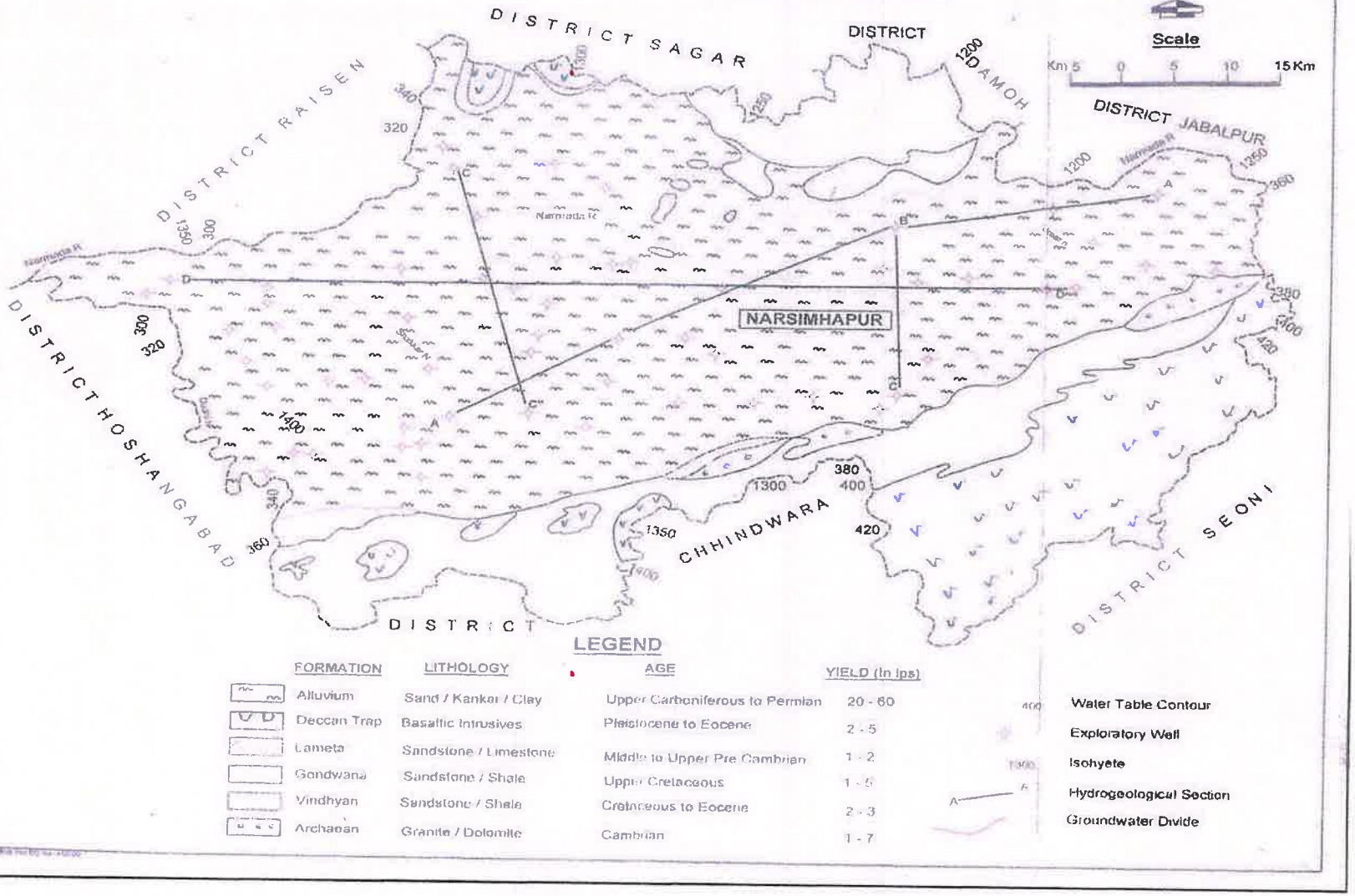

State Level Environment Impact Assessment Authority, M.P.
(EPCO)
Paryavaran Parisar
E-5, Arera Colony, Bhopal (M.P.)

प्रभारी अधिकारी
(खनिज शाखा)
नरसिंहपुर

खनिज संपदाः–

जिले में विभिन्न प्रकार के खनिज पाये जाते है। डोलोमाइट, चूना पत्थर, सोपस्टोन, कोयला और इमारती पत्थर । इन सभी खनिजों के आंकड़े उस समय किए गए अन्वेषणों के आधार पर दिये गए है यह वर्तमान स्थिति नहीं दर्शाते हैं, इनका संक्षिप्त विवरण निम्नानुसार है–

1. **मृतिका(क्ले)** :– गोंडवाना महासमूह की चट्टानों के साहचर्य में मृतिका पाई जाती है।

जैतपुर :
इस क्षेत्र में मृतिका के दो भण्डार है यहां मृतिका परत की मोटाई 1 से 1.8 मीटर तक है। इस क्षेत्र का अनुमानित कुल भण्डार 320600 टन है।

बिनेकीः
ग्राम बिनेकी के पास दो स्थानों पर मृतिका पाई गई है इनमें से एक 800 मीटर लंबाई में फैली है। इसकी चोड़ाई 200 मीटर तथा मोटाई 2 मीटर तक है एवं बंदरकला गांव के पास दक्षिण दिशा में इस प्रकार की मृतिका पाई जाती है। इस क्षेत्र का अनुमानित कुल भण्डार 610000 टन है।

गोटीटोरिया एवं तलाई क्षेत्रः इस क्षेत्र का अनुमानित भण्डार 98400 टन है।

कोकरपानीः इस क्षेत्र का अनुमानित 500 टन है।

बड़ागांवः इस क्षेत्र का अनुमानित भण्डारण 500 टन है।

निभौराः इस क्षेत्र का अनुमानित भण्डार 23800 टन है।

तलाई का कगारः इस क्षेत्र का अनुमानित भण्डार 650 टन है।

2. सोपस्टोनः यह खनिज बगासपुर, छीताढाना, चंदलोन, केवलारी, गोटेगांव, रेल्वे स्टेशन के दक्षिण में एवं नादिया–गढ़पेहरा क्षेत्र में पाया जाता है।यहां पर सोपस्टोन, डोलोमाइट के साहचर्य में शिराओं, लेंसो और पाकेट्स के रूप में पाया जाता है। वर्तमान में बगासुपर, छीताढाना, चंदलोन, नादिया, गढ़पहेरा और केवलारी क्षेत्र में खदाने कार्यरत हैं।

3 चूना पत्थर तथा डोलोमाइट : चूनापत्थर एवं डोलोमाइट हतनापुर दिलेहरी, खड़इ और किशनपुर वनक्षेत्र एवं आसपास के क्षेत्र में पाया जाता है। यह मरीन से स्थलूकणिक तथा सफेद से मटमैला, गुलाबी, पीला रंग का है। हीरापुर, चांवरपाठा आदि क्षेत्रों में निम्न श्रेणी का चूना पत्थर पाया जाता है।

डोलोमाइटः 1. हतनापुर–कठौतिया – इस क्षेत्र का अनुमानित भण्डार 89.06 लाख टन है। 2. देवनारा–सिमरिया पहाड़ी : अनुमानित भण्डारण 30 लाख टन है। 3. दाताडोंगरी और कटनाः अनुमानित भण्डार 30 लाख टन है। 4. दाताडोंगरी के दक्षिण म : अनुमानित भण्डार 9.39 लाख टन है। 5. कोराः अनुमानित भण्डार 0.225 लाख टन है। 6. खैरी एवं दूधी नदी के पश्चिम मेंः अनुमानित भण्डार 0.10 लाख टन है। 7. निभोरा एवं शक्कर नदी के बीच मेंः अनुमानित भण्डार 0.02 लाख टन है।

State Level Environment Impact
Assessment Authority, M.P.
(EPCO)
Paryavaran Parisar
E-5, Arera Colony, Bhopal (M.P.)

प्रभारी अधिकारी
(खनिज शाखा)
नरसिंहपुर

कायला:– जिले की गाडरवारा तहसील से लगभग 23 कि.मी. दक्षिण में गोटीटोरिया एवं मोहपानी क्षेत्र में कोयला पाया जाता है। 200 से 250 फीट की गहराई पर 3 सीम 0पाई गई हैं। जिले में उपरोक्त खनिजों के अतिरिक्त कई अन्य खनिजों के संकेत मिलते है। जिनमें ऐपेटाइट एवं वर्मीकुलाइट, बेटानाइट, कैलसाइट, ताम्रअयस्क, चांदी लौह अयस्क, मैगनीज अयस्क, एवं स्लेट मिलते है।

गौंण खनिज:–

जिले में बोल्डर, बजरी, बालू की वृहत संभावनाएं है एवं रू. 133237692 विगत वर्ष में गौंण खनिजों से प्राप्त हुए है। जिले का कुल क्षेत्रफल 5133.92 वर्गमीटर है जिसमें से लगभग 20 प्रतिशत उपरोक्त खनिजों के लिए उपलब्ध है। जिले के अधिकांश भाग में एल्यूवियम आच्छादित है बाकि क्षेत्रों में डेक्कन ट्रेप बेसाल्ट, गोंडवाना सेंडस्टोन, एवं क्ले(कोलसीम) विंध्ययन सेंडस्टोन एवं शैल, महाकौशल समूह के प्रस्तर एवं आर्कीयन समूह के ग्रेनाइट/नाइस राक्स पाये जाते है जिनका गौण खनिज के रूप में उपयोग किया जा सकता है।

क. नदी या धाराओं का जिलावार ब्यौरा और बालू के अन्य स्त्रोत:

जिले में 04 मुख्य नदियां है जिसमें खनिज रेत की 36 खदानें है। रेत जिले की सभी नदियों में मिलती है किंतु आर्थिक दृष्टिकोण से सिर्फ नर्मदा, दुधी, शक्कर, सीतारेवा नदी में ही है। जिसमें से दुधी नदी में रेत के विपुल भण्डार है। स्वीकृत खदानों का ब्यौरा बिंदु क्रमांक 3 में सम्मिलित है।

ख. जिलाकार बालू या पत्थरों की उपलब्धता का समग्र संसाधन:

जिले के समस्त क्षेत्रों में जहा पर बालू/पत्थर उपलब्ध है के लिए खदानें स्वीकृत की गई है जिनका ब्यौरा बिंदु कमांक 3 में दर्ज है।

ग. जिलावार बालू के विद्यमान खनन पट्टो के ब्योरें एवं समग्र:

जिले में स्वीकृत रेत खदानों का ब्यौरा बिंदु कमांक 3 में सम्मिलित है। जिले में कुल 19 रेत खदान स्वीकृत की गई है।

State Level Environment Impact
Assessment Authority, M.P.
(EPCO)
Paryavaran Parisar
E-5, Arera Colony, Bhopal (M.P.)

प्रभारी अधिकारी
(खनिज शाखा)
नरसिंहपुर

10 मुख्य नदियों के विवरण सहित निकासी प्रणाली

कम संख्या	नदी का नाम	निकासी क्षेत्र वर्ग किमी0	जिले में निकासी किया गया क्षेत्र
1	नर्मदा नदी	69.1875 वर्ग कि.मी.	135 कि.मी.
2	शक्कर नदी	23.1875 वर्ग कि.मी.	66.25 कि.मी.
3	दुधी नदी	41.4375 वर्ग कि.मी.	85 कि.मी.

11 महत्वपूर्ण नदियों और धाराओं की मुख्य विशेषताएं

कम संख्या	नदी या धारा का नाम	जिले में कुल दूरी (किमी में)	उद्गम का स्थान	उद्गम पर उंचाई
1	नर्मदा नदी	135	अमरकंटक	1057
2	शक्कर नदी	66.25	अमरवाड़ा छिंदवाड़ा	
3	दुधी नदी	85	छिंदवाड़ा	900

एनेक्जर–III

कमांक	खनिज छूट के लिए सिफारिश किया गया नदी या धारा का भाग	नदी या धारा का क्षेत्र	खनिज छूट के लिए सिफारिश किए गए क्षेत्र (घ. मी.)	खनन योग्य खनिज संभावना घनमी.(कुल खनिज संभावना का 60 प्रतिशत)
1	Nil	Nil	Nil	Nil

एनेक्जर–IV

क	बोल्डर(मि.टन)	बजरी(मि.टन)	रेत(मि.टन)	कुल खनन योग्य खनिज क्षमता(मि.टन)
1	Nil	Nil	Nil	Nil

State Level Environment Impact Assessment Authority, M.P. (EPCO) Paryavaran Parisar E-5, Arera Colony, Bhopal (M.P.)

प्रभारी अधिकारी
(खनिज शाखा)
नरसिंहपुर

एनेक्जर–V

12 वार्षिक जमाव

कमांक	खनिज छूट के लिए सिफारिश किया गया नदी या धारा का भाग	नदी या धारा का क्षेत्र	खनिज छूट के लिए सिफारिश किए गए क्षेत्र (घ. मी.)	खनन योग्य खनिज संभावना घनमी.(कुल खनिज संभावना का 60 प्रतिशत)
1	Nil	Nil	Nil	Nil

एनेक्जर–VI

कमांक	खनिज छूट के लिए सिफारिश किया गया नदी या धारा का नाम	नदी या धारा का क्षेत्र	खनिज छूट के लिए सिफारिश किए गए क्षेत्र (घ. मी.)	खनन योग्य खनिज संभावना घनमी.(कुल खनिज संभावना का 60 प्रतिशत)	समुद्र तल से ऊंचाई (मी.)
1	Nil	Nil	Nil	Nil	Nil

Details of Sand/M-Sand Sources

a)

(Annexure –VII)

River Name M-sand Plant	Total Stretch of River (in KM)	Type of River (perennial or Non-Perennial)
नर्मदा नदी	135	मुख्य नदी
दुधी नदी	85	नर्मदा की सहायक नदी
शक्कर नदी	66.25	नर्मदा की सहायक नदी
सीतारेवा नदी	22	नर्मदा की सहायक नदी

b) De- Siltation Location :(Lakes/Ponds/Dams etc.)

Name of Reservori /Dams	Maintain/Controlled by Sate Govt. PSU etc.	Location	District	Tehsil	Village	Size (Ha)
Nil	Nill	Nill	Nill	Nill	Nill	Nill

State Level Environment Impact
Assessment Authority, M.P.
(EPCO)
Paryavaran Parisar
E-5, Arera Colony, Bhopal (M.P.)

प्रभारी अधिकारी
(खनिज शाखा)
नरसिंहपुर

DETAILS OF THE MINING LEASES IN THE DISTRICT AS PER THE FOLLOWING FORMAT :-

.No.	Name of the mineral	Name of the Lessee	Address & Contact No. Of Lessee	Mining Lease grant order no. & date	Area of Mining Lease (ha.)	Period of mining lease(initial)		Period of mining lease(1st/ 2nd....renewal)		Date of commencement of mining operation	Status Working/non working/Temp. Working for	Captive /Non-Captive	Obtained Environmental Clearance (Yes/ No.), If Yes Letter No. With Date	Lacation of the Mining Lease (Latitude & Longitude)	Method of Mining(Opencast/under ground)
						From	To	From	To						
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16
01	Dolomite/ Soapstone	Narmada Minerals and Industries Shri Rajeev Agrawal	Saktesh Apartment valley Garden Moti Dungry Road Jaipur Rajasthan 8839838183	Lease Order No.: 5240-5134/12, Lease Order Date: 06/08/1966	3.238	01.07.1996	31.06.2016	Extended 01.07.2016	31.03.2030	01.07.1996	Working	Non-Captive	6151/5, Date- 15.05.2017	N 22°55'27.349" E 79° 26' 10.734" N 22°55'29.831" E 79° 26' 16.281" N 22°55'22-089" E 79° 26' 14.012" N 22°55'26.312" E 79° 26' 11.380"	Opencast
02	Dolomite/ Soapstone	Haphijan Bee-Shri Siayad Hussen	Village Magardha, Tehsil Narsinghpur Dist- Narsinghpur 9993479746	Lease Order No.: 3-61/2007/12/2, Lease Order Date: 02/07/2008	4.864	20.03.2005	19.03.2025	-	-	20.03.2005-	Working	Non-Captive	6151/7, Date- 15.05.2017	N 22°54'27.4" E 79° 23' 13.8" N 22°54'25.2' E 79° 23' 09.8" N 22°54'25.5" E 79° 23' 06.6" N 22°54'30.1" E 79° 23' 05.8" N 22°54'31.3" E 79° 23' 08.0" N 22°54'28.2" E 79° 23' 16.7"	Opencast

State Level Environment Impact Assessment Authority, M.P. (EPCO) Paryavaran Parisar E-5, Arera Colony, Bhopal (M.P.)

प्रभारी अधिकारी
(खनिज शाखा)
नरसिंहपुर

Scanned with CamScanner

03	Dolomite/ Limestone	Pradeep Kumar Jain- Shri Tarachand Jain	Tendukheda Tehsil Tendukheda Dist. Narsinghpur 9589401000	Lease Order No.: 3/25/1//12/1, Lease Order Date: 02/07/2008	6.817	06.06.2002	05.06.2022	Extended 06.06.2022	05.06.2052	06.06.2002	Working	Non-Captive	1272/SPCO-SEIAA/12	N 23°9'26.042" E 78°54' 28.203" N 23°9'29.289" E 78°54' 32.711"	Opencast
04	Fireclay	Kunwar Virendra singh- Late Harprasad singh patel	Geet Kunwar Jhhirna Road Narsinghpur 9425168666	Lease Order No.:3-491/96/12/2 Date: 21/08/1996	7.441	15.01.1997	14.01.2017	Extended 15.01.2017	14.01.2047	15.01.1997	Working	Non-Captive	3464 Date- 22.10.2022	N 22°50'33.44" E 79°16' 47.32" N 22°50'38.98" E 79°16' 54.65" N 22°50'27.27" E 79°16' 57.57" N 22°50'26.17" E 79°16' 48.25"	Opencast
05	Dolomite/ Limestone / Soapstone	Kunwar Virendra singh- Late Harprasad singh patel	Geet Kunwar Jhhirna Road Narsinghpur 9425168666	Lease Order No.:F 3-109/98/12/2 Date: 22/03/2000	3.190	06.04.2000	05.04.2020	Extended 06.04.2020	05.04.2050	06.04.2000	Working	Non-Captive	5422/SEIAA/16 DATE- 02.03.2017	N22°48'52.8482" E 79°6'44.7561" N 22°49'0.6138" E 79°6' 40.1688" N 22°49'0.0455" E 79°6' 46.1342"	Opencast

प्रभारी अधिकारी
(खनिज शाखा)
नरसिंहपुर

State Level Environment Impact Assessment Authority, M.P.
(EPCO)
Paryavaran Parisar
E-5, Arera Colony, Bhopal (M.P.)

Scanned with CamScanner

d) M-sand Plants :

Plant Name	Owner	District	Tehsil	Village	Geo-location	Quantity Tones/Annum
Nil	Nill	Nill	Nill	Nill	Nill	Nill

Annrxure-VIII

(a) List of Potential Sand Mining Area (existing & Proposed)

River Detais	Lease Details	Area (in Ha)	Distance (in Km) from PA/BR/Wc	Distance form forest Area (in Km)	Mining leases within 500 meters (if yes cluster area)	Total excavation in Tones/Annum considering digging depth max as 3 meters	Mineral to be mined (sand/Bajri /RBM etc.)	Existing/ proposed
Nil	Nil	Nil	Nil	Nil	Nil	Nil	Nil	Nil

State Level Environment Impact
Assessment Authority, M.P.

प्रभारी अधिकारी
(खनिज शाखा)
नरसिंहपुर

DETAILS OF THE MINING LEASES IN THE DISTRICT AS PER THE FOLLOWING FORMAT :-

.No.	Name of the mineral	Name of the Lessee	Address & Contact No. Of Lessee	Mining Lease grant order no. & date	Area of Mining Lease (ha.)	Period of mining lease(initial)		Period of mining lease(1st/ 2nd....renewal)		Date of commencement of mining operation	Status Working/nonworking/Temp. Working for	Captive /Non-Captive	Obtained Environmental Clearance (Yes/ No.), If Yes Letter No. With Date	Lacation of the Mining Lease (Latitude & Longitude)	Method of Mining(Opencast/underground)
						From	To	From	To						
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16
01	Dolomite/ Soapstone	Narmada Minerals and Industries Shri Rajeev Agrawal	Saktesh Apartment valley Garden Moti Dungry Road Jaipur Rajasthan 8839838183	Lease Order No.: 5240-5134/12, Lease Order Date: 06/08/1966	3.238	01.07.1996	31.06.2016	Extended 01.07.2016	31.03.2030	01.07.1996	Working	Non-Captive	6151/5, Date- 15.05.2017	N 22°55'27.349" E 79° 26' 10.734" N 22°55'29.831" E 79° 26' 16.281" N 22°55'22-089" E 79° 26' 14.012" N 22°55'26.312" E 79° 26' 11.380"	Opencast
02	Dolomite/ Soapstone	Haphijan Bee-Shri Siayad Hussen	Village Magardha, Tehsil Narsinghpur Dist- Narsinghpur 9993479746	Lease Order No.: 3-61/2007/12/2, Lease Order Date: 02/07/2008	4.864	20.03.2005	19.03.2025	-	-	20.03.2005-	Working	Non-Captive	6151/7, Date- 15.05.2017	N 22°54'27.4" E 79° 23' 13.8" N 22°54'25.2' E 79° 23' 09.8" N 22°54'25.5" E 79° 23' 06.6" N 22°54'30.1" E 79° 23' 05.8" N 22°54'31.3" E 79° 23' 08.0" N 22°54'28.2" E 79° 23' 16.7"	Opencast

प्रभारी अधिकारी
(खनिज शाखा)
नरसिंहपुर

State Level Environment Impact Assessment Authority, M.P. (SEIAA) Paryavaran Bhawan E-5, Arera Colony, Bhopal

Scanned with CamScanner

03	Dolomite/ Limestone	Pradeep Kumar Jain- Shri Tarachand Jain	Tendukheda Tehsil Tendukheda Dist. Narsinghpur 9589401000	Lease Order No.: 3/25/1//12/1, Lease Order Date: 02/07/2008	6.817	06.06.2002	05.06.2022	Extended 06.06.2022	05.06.2052	06.06.2002	Working	Non-Captive	1272/SPCO-SEIAA/12	N 23°9'26.042" E 78°54' 28.203" N 23°9'29.289" E 78°54' 32.711"	Opencast
04	Fireclay	Kunwar Virendra singh- Late Harprasad singh patel	Geet Kunwar Jhhirna Road Narsinghpur 9425168666	Lease Order No.:3-491/96/12/2 Date: 21/08/1996	7.441	15.01.1997	14.01.2017	Extended 15.01.2017	14.01.2047	15.01.1997	Working	Non-Captive	3464 Date- 22.10.2022	N 22°50'33.44" E 79°16' 47.32" N 22°50'38.98" E 79°16' 54.65" N 22°50'27.27" E 79°16' 57.57" N 22°50'26.17" E 79°16' 48.25"	Opencast
05	Dolomite/ Limestone / Soapstone	Kunwar Virendra singh- Late Harprasad singh patel	Geet Kunwar Jhhirna Road Narsinghpur 9425168666	Lease Order No.:F 3-109/98/12/2 Date: 22/03/2000	3.190	06.04.2000	05.04.2020	Extended 06.04.2020	05.04.2050	06.04.2000	Working	Non-Captive	5422/SEIAA/16 DATE- 02.03.2017	N22°48'52.8482" E 79°6'44.7561" N 22°49'0.6138" E 79°6' 40.1688" N 22°49'0.0455" E 79°6' 46.1342"	Opencast

प्रभारी अधिकारी
(खनिज शाखा)
नरसिंहपुर

35

State Level Environment Impact Assessment Authority, M.P.
(EPCO)
Paryavaran Parisar
E-5, Arera Colony, Bhopal (M.P.)

Scanned with CamScanner

05	Dolomite/ Limestone / Soapstone	Kunwar Virendra singh- Late Harprasad singh patel	Geet Kunwar Jhhirna Road Narsinghpur 9425168666	Lease Order No.:F 3-109/98/12/2 Date: 22/03/2000	3.190	06.04.2020	05.04.2050			06.04.2020	Working	Non-Captive	5422/SEIAA/16 DATE- 02.03.2017	N22°48'52.8482" E 79°6'44.7561" N 22°49'0.6138" E 79°6' 40.1688" N 22°49'0.0455" E 79°6' 46.1342"	Opencast

State Level Environment Impact
Assessment Authority, M.P.
(EPCO)
Par[illegible]
E-5, Ar[illegible] (M.P.)

प्रभारी अधिकारी
(खनिज शाखा)
नरसिंहपुर

c) De-siltation Location :(Lakes/ponds/Dams etc.) (Existing & Proposed)

Name of Resrvoir/ Dams	Maintain /controlled by state govt./PSU etc.	Location	District	Tehsil	Village	Size(ha)	Quantity MT/Year	Existing/ Proposed
Nil	Nill	Nill	Nill	Nill	Nill			Nill

c) M-Sand Plants ; (existing & proposed)

Plant Name	Owner	District	Tehsil	Village	Geo-location	Quantity Tones/Annum	Existing/Existing /proposed
Nil	Nill	Nill	Nill	Nill	Nill		Nill

Annexure –IX

Cluster & contiguous cluster details cluster:

River Name	Cluster No.	Lease No	Location (reiverbed/patt Land)	Village	Area (in HA)	Total Excavation (Ton)	Total mineral excavatin (Ton)
Nil	Nill	Nill	Nill	Nill	Nill	Nill	Nill

Contiguous clusters :

River Name	Contiguous cluster No.	Cluster No.	Number of leases in th cluster	Location (reiverbed/patt Land)	Distance between clusters	Village	Area of cluster (HA)	Total mineral excavatin (Ton)
Nil	Nill	Nill	Nill	Nill	Nill		Nill	

Annexure-X

Transportation Routes for individual Sand Quarry and Sand in cluster

For Leases : lease No.	Transportation Route No.	Number of tippers/day of lease	Number of tippers/day of all the lease on route	Length of route in KM (HQ Narsinghpur	Type of road (Black topped /unpaved)	Recommend ation for road (Balck Topped/ unpaved)	The road will be constructed by govt./lesse owner	Route map & Location
Nil	Nil	Nil	Nil	Nil	Nil	Nil	Nil	Nil

For Clusters

Cluster No	Transportation Route No.	Number of tippers/day of lease Cluster	Number of tippers/day of all the clusters on route	Length of route in KM	Type of road (Black topped /unpaved)	Recommend ation for road (Black Topped/ unpaved)	The road will be constructed by govt./lesse owner	Route map & Location
NA	NA	NA	NA	NA	NA	NA	NA	NA

State Level Environment Impact Assessment Authority, M.P. (EPCO) Paryavaran Parisar E-5, Arera Colony, Bhopal (M.P.)

प्रभारी अधिकारी (खनिज शाखा) नरसिंहपुर

Annexure-XI

Final list of potential sand mining area (existing & proposed)

River details	Lease Details	Area (in Ha)	Distance (in KM form PA/BR/Wc)	Distance from forest area (in KM)	Mininng leases within 500 meters (if Yes cluster area)	Total Excavation in tones/anum considering digging deoth max as 3 meters	Mineral to be mined (sand/Bajri/RBM etc.)	Existing/ Prosed
Nil	Nil	Nil	Nil	Nil	Nil	Nil	Nil	Nil

b) De-siltation Location :(Lakes/ponds/Dams etc.) (Existing & Proposed)

Name of Resrvoir/ Dams	Maintain /controlled by state govt./PSU etc.	Location	District	Tehsil	Village	Size(ha)	Quantity MT/Year	Existing/ Proposed
Nil	Nill	Nill	Nill	Nill	Nill			Nill

State Level Environment Impact
Assessment Authority, M.P.
(EPCO)
Paryavaran Parisar
E-5, Arera Colony, Bhopal (M.P.)

खनिज अधिकारी
(खनिज शाखा)
नरसिंहपुर

c) M-Sand Plants ; (existing & proposed)

Plant Name	Owner	District	Tehsil	Village	Geo-location	Quantity Tones/Annum	Existing/Existing /proposed
Nil	Nill	Nill	Nill	Nill	Nill		Nill

Annexure –XII

River Name	Cluster No.	Lease No	Location (reiverbed/patt Land)	Village	Area (in HA)	Total Excavation (Ton)	Total mineral excavatin (Ton)
Nil	Nill	Nill	Nill	Nill	Nill	Nill	Nill

Contiguous clusters :

River Name	Contiguous cluster No.	Cluster No.	Number of leases in th cluster	Location (reiverbed/patt Land)	Distance between clusters	Village	Area of cluster (HA)	Total mineral excavatin (Ton)
Nil	Nill	Nill	Nill	Nill	Nill		Nill	

Annexure –XIII

Final transportation routes for individual sand quarry and sand quarry cluster

For Leases

For leases: • Lease No.	Transportation Route No.	Number of tippers/day of lease Cluster	Number of tippers/day of all the clusters on route	Length of route in KM (HQ Narsinghpur)	Type of road (Black topped /unpaved)	Recommendation for road (Black Topped/ unpaved)	The road will be constructed by govt./lesse owner	Route Map & Location
Nil	Nil	Nil	Nil	Nil	Nil	Nil	Nil	Nil

For Clusters

Cluster No	Transportation Route No.	Number of tippers/day of lease Cluster	Number of tippers/day of all the clusters on route	Length of route in KM	Type of road (Black topped /unpaved)	Recommendation for road (Black Topped/ unpaved)	The road will be constructed by govt./lesse owner	Route map & Location
NA	NA	NA	NA	NA	NA	NA	NA	NA

State Level Environment Impact Assessment Authority, M.P. (EPCO) Parvavaran Parisar E-5, Arera Colony, Bhopal (M.P.)

प्रभारी अधिकारी
(खनिज शाखा)
नरसिंहपुर

भूविज्ञान / लिथोस्ट्रेटिग्राफी

अमरकंटक, डेक्कन ट्रैप, लमेटा समूह सौंसर समूह और क्वार्टरनरी क्षेत्र अम्लीय और बेसाल्टिक चट्टान पर संपन्न है जबकि मंडला में बेसाल्ट और तलछटी चट्टान है। इसलिए रेत जमा का नमूना भी है। नरसिंगपुर में नदी की रेत जमा क्वार्टमरी जलोढ़ और कैनोजोइक की रेत से लेकर क्वार्टरनेरी उम्र तक है, लेकिन नहर कमांड क्षेत्र में नहर के रिसाव से पर्याप्त पुनर्भरण के कारण, एक अच्छा निर्वहन बनाए रखता है, जिले में जलोढ़ जलोढ़ प्रणाली अत्यधिक संभावित दानेदार क्षेत्र है जिसमें शामिल हैं जलोढ़ में महीन से मध्यम से मोटे दाने वाली रेत बजरी और कंकड़ पाए जाते हैं। शीर्ष फ़्रीटिक एक्वीफर की मोटाई 2 से 7 मीटर तक होती है और यह 4 से 15 मीटर इहस की गहराई सीमा में पाई जाती है। बजरी और चैनल जलोढ़ के रेत जमा से ढके स्ट्रीम बेड का एक हिस्सा है, खनन रेत की निकासी की अधिकतम गहराई तक 3 मीटर तक केंद्रित होगा जो कि रेत खदान क्षेत्र की सबसे ऊपरी परत पर सीमित है हाल ही में जलोढ़ जमा से संबंधित है।

13 जिले में परिवहन के संभावित मार्ग का चिन्हांकन

जिला नरसिंहपुर में मुख्य रूप से खनिज डोलोमाईट/सोपस्टोन/फायरक्ले का परिवहन जिले की सबसे ज्यादा स्वीकृत खादान तहसील गोटेगांव, नरसिंहपुर, तेन्दूखेड़ा से किया जाता है। मुख्य रूप से खनिजो की खदानें नादिया, बरहटा, कनेहेरी, चीलाचौन, ग्राम में स्वीकृत हैं। तहसील गोटेगांव से खनिज का परिवहन मुख्य रूप से जिला जबलपुर की ओर किया जाता है ग्राम कनेहेरी खनिज का परिवहन तेन्दूखेड़ा मार्ग से होते हुये सागर व भोपाल की ओर किया जाता हैं। इसी प्रकार ग्राम चीलाचौन खनिज का परिवहन आमगांव सिंहपुर रोड़ से होते हुये छिंदवाड़ा रोड से होकर महाराष्ट्र की ओर, लखनादौन से होकर छत्तीसगढ़ की ओर किया जाता है।

संभावित खनिज परिवहन मार्ग

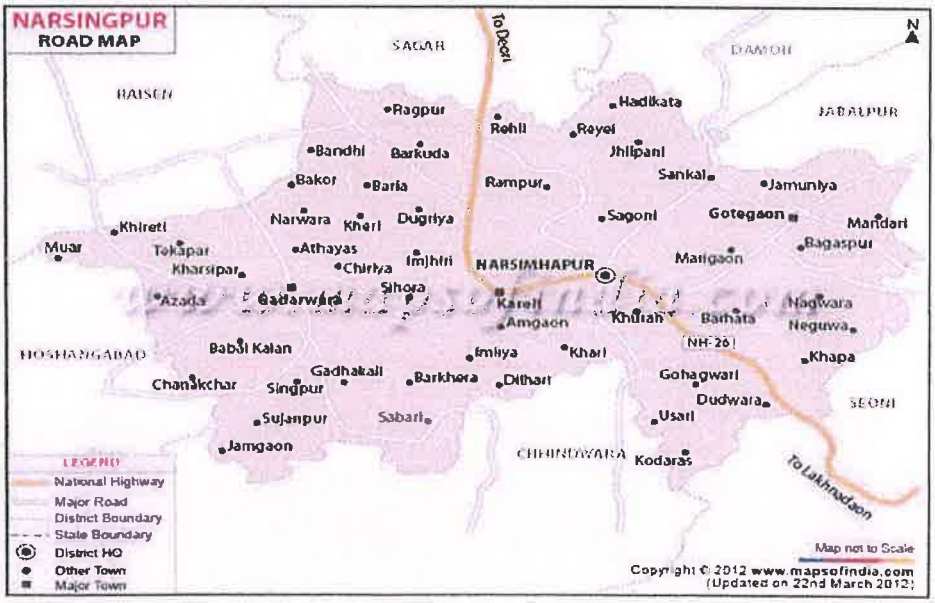

State Level Environment Impact
Assessment Authority, M.P.
(EPCO)
Paryavaran Parisar
E-5, Arera Colony, Bhopal (M.P.)

प्रभारी अधिकारी
(खनिज शाखा)
नरसिंहपुर

14 कलस्टर/नॉन कलस्टर के अंतर्गत आने वाली खदनों की जानकारी

क0	पट्टेदार/ठेकेदार का नाम	खदान का नाम	तहसील	खनिज	खसरा नंबर	रकबा हें. में	कलस्टर/नॉन कलस्टर
1	मे0 नर्मदा मिनिरल्स इण्ड0, नरसिंहपुर	नांदिया	तगोटेगांव	सोपस्टोन/ डोलामाईट	57	3.238	नॉन कलस्टर
2	श्रीमती हफीजन बी, मगरधा	बरहटा	गोटेगांव	सोपस्टोन/ डोलामाईट	170	4.864	नॉन कलस्टर
3	श्री प्रदीप जैन, तेंदूखेड़ा	कन्हैरी	तेन्दूखेड़ा	डोलामाईट/ लाईमस्टोन	55	6.817	नॉन कलस्टर
4	कुंअर वीरेन्द्र सिंह पटैल, नरसिंहपुर	चीलाचोन	नरसिंहपुर	फायरक्ले	483/1	7.441	नॉन कलस्टर

State Level Environment Impact
Assessment Authority, M.P.
(EPCO)
Paryavaran Parisar
E-5, Arera Colony, Bhopal (M.P.)

सहायक अधिकारी
(खनिज शाखा)
नरसिंहपुर

15 जिला नरसिंहपुर पारिस्थितिकी–संवेदनशील क्षेत्र

नौरादेही वन्य अभयारण्य (Nauradehi Wildlife Sanctuary) भारत के मध्य प्रदेश राज्य में स्थित एक वन्य अभयारण्य है। 1,197 वर्ग किलोमीटर (462 वर्ग मील) पर विस्तारित यह संरक्षित क्षेत्र राज्य के सागर, दमोह, नरसिंहपुर और रायसेन ज़िलों पर फैला हुआ है। यह जबलपुर से 90 किमी और सागर से 56 किमी दूर स्थित है। यहाँ पर चीता को पुनर्स्थापित करने के लिए विचार करा जा रहा है। जिला नरसिंहपुर की सीमा में नौरादेही वन्य अभयारण्य 23095.930 हे. या 230.96 वर्ग किलोमीटर का सागौन/मिश्रित वन आता है, जिसके अंतर्गत जिला नरसिंहपुर के तहसील नरसिंहपुर के अंर्गगत ढाना, चौका, झिलपिनी, हांटीकाट, मलकुही अन्य गांव आते है।

इस अभयारण्य में ट्रैकिंग, एडवेंचर और वाइल्ड सफारी का आनंद लिया जा सकता है। नौरादेही अभयारण्य की स्थाभपना सन् 1975 में की गई थी। यह करीब 1200 वर्ग किमी क्षेत्र में फैली है। इस सेंक्चुरी में वन्यजीवों की भरमार है, जिनमें तेंदुआ मुख्य है। एक समय यहां कई बाघ भी पाए जाते थे लेकिन संरक्षण नहीं मिलने के कारण वे लुप्त हो गये थे परंतु राज्य सरकार द्वारा बाघों की संख्या बढ़ाने के प्रयास के अंतर्गत 2018 में फिर बाघ और बाघिन को यहा छोड़ा गया। अभी नौरादेही में बाघों की संख्या 5 है। बाघों की तरह तेंदुओं को भी संरक्षण की जरूरत है क्योंकि तेंदुऐ भी यहां लुप्त होने कि कगार पर है। चिंकारा, हिरण, नीलगाय, सियार, भेड़िया, लकड़बघ्घा ,जंगली कत्ता, रीछ, मगर, सांभर,मोर, चीतल तथा कई अन्य वन्य जीव इस क्षेत्र में पाए जाते हैं। वनविभाग इसके संरक्षण का काम करता है।

यहाँ पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए कुछ नई योजनाएं बनाई गई हैं। नौरादेही सेंक्चुतरी में पहुंचने के लिए डीजल या पैट्रोल स चलने वाले ऐसे किसी भी वाहन के प्रयोग की छूट है जो पांच वर्ष से अधिक पुराना ना हो। यह डच राज्य का सबसे बडा अभ्यारण है। इसमे सागौन,साल,बांस और तेंदु के पेड बहुत मात्रा में पाये जाते है। यहाँ मृगन्नाथ की गुफाएँ बहुत ही रोमान्चक तथा धार्मिक है। नये जंगली पक्षी – डस्की ईगल ओउल ,पेंडेट सैडग्राउज ,जो पहली बार अभ्यारण में देखे गए गिद्धों की 3 प्रजातियां इंडडियन पिट्टा किंग वल्चर इंडियन वल्चर सामने आई है प्रमुख पक्षियों मैं सिने रस टीट,मोर ग्रीन सैड पाइपर क्रेस्टेड ट्रीरिवफ्ट क्रेस्टेड वॉर्डिंग सल्फर वैली बॉब्लर पैंटेड स्टार्क यूरिशियन डाटर ब्राउन ओउल बोनिली ईगल ओरियंटल हनीबजार्ड भी देखे गये।मुख्य पुष्प तत्वों में सागौन, साजा, धौरा, भीरा, बेर और आंवला आदि शामिल हैं।

जड़ी–बूटियों की श्रेणी में प्रमुख पशु तत्व में नीलगाय, चिंकारा, चीतल, सांभर, काला बक, बार्किंग हिरण, कॉमन लंगूर और रीसस मैकाक शामिल हैं। सरीसृपों की विविधता में ताजे पानी के कछुए, स्थलीय कछुआ मोनिटर छिपकली और ताजे पानी के मगरमच्छ और सांप शामिल हैं। पक्षियों के एक छोटे से सर्वेक्षण में एवियन आबादी की समृद्धि का पता चला है जिसमें सबसे दुर्लभ पक्षी में से एक ह स्पॉटेड ग्रे क्रीपर (सालपोनिस स्पिलोनोटोस)। अन्य महत्वपूर्ण निवासी और प्रवासी पक्षी समूहों में स्टॉर्क (चित्रित, एडजुटेंट, ओपनबिल्ड), क्रेन, एग्रेस, लापविंग्स, गिद्ध, पतंग, उल्लू, किंगफिशर, ईगल, पैट्रिज, बटेर, कबूतर आदि शामिल हैं। अभयारण्य के मांसाहारियों के स्पेक्ट्रम को देखा जाता है। इसमें टाइगर, पैंथर्स, इंडियन वुल्फ, वाइल्डडॉग, जैकल, ग्रे फॉक्स, कॉमन ओटर शामिल हैं। इस अभयारण्य में एक बाघ या पैंथर का दिखाई देना एक कठिन प्रस्ताव है। उच्च जैविक दबाव और मानव उपस्थिति के कारण वे बहुत अधिक मायावी हो गए हैं। लेकिन इन दो बड़ी बिल्लियों के सबूत हर जगह देखने के लिए हैं। हाइना और स्लॉथ बियर आम हैं।

State Level Environment Impact Assessment Authority, M.P. (EPCO) Paryavaran Parisar E-5, Arera C... Bhopal (M.P.)

प्रभारी अधिकारी
(खनिज शाखा)
नरसिंहपुर

16 पर्यावरण पर खनन गतिविधि का प्रभाव (वायु, जल, शोर, मिट्टी, वनस्पति, जीव, भूमि उपयोग, कृषि, वन आदि)

खनन के पर्यावरणीय प्रभाव प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष खनन प्रथाओं के माध्यम से स्थानीय, क्षेत्रीय और वैश्विक स्तर पर हो सकते हैं। खनन प्रक्रियाओं से निकलने वाले रसायनों के प्रभाव कहिसे क्षरण, सिंकहोल, जैव विविधता का नुकसान या मिट्टी, भूजल और सतही जल का दूषित होना हो

1— वायु

खनन गतिविधियों जैसे पत्थर को कुचलना और नष्ट करना, ऊपर की मिट्टी को हटाना और मुरम की सामग्री के निष्कर्षण से हवा में बड़ी मात्रा में धूल निकल सकती है। इसी तरह बड़े वाहनों में बिना किसी सुरक्षात्मक उपाय के खनिजों की आवाजाही वायु प्रदूषण और श्वसन समस्याओं का कारण बन सकती है।

2— पानी

खनन का आसपास की सतह और भूजल पर हानिकारक प्रभाव पड़ सकता है।

3— शोर

खनन गतिविधियाँ जैसे पत्थर को कुचलना और नष्ट करना, ऊपरी मिट्टी को हटाना और भारी मशीनरी और क्रशिंग प्लांट के माध्यम से मुरम की सामग्री का निष्कर्षण आसपास के क्षेत्रों में भारी शोर पैदा करता है।

4— मिट्टी

फ्लैगस्टोन और बोल्डर खानों के मामले में खनन गतिविधियों के कारण चट्टानों की आवाजाही और अधिक बोझ की आवाजाही। मिट्टी पर बड़ा प्रभाव डालते हैं। यह मिट्टी के क्षरण और भूमि के क्षरण का कारण बनता है।

5— वनस्पति, जीव

खनन गतिविधियाँ स्थानीय और क्षेत्रीय स्तर पर वनस्पतियों और जीवों पर प्रतिकूल प्रभाव डालती हैं। कभी—कभी खनिज निकालने से पहले बड़ी संख्या में पौधे और पेड़ काट दिए जाते हैं। इसी प्रकार नदियों में भारी बालू खनन से जलीय जीवन के पारिस्थितिकी तंत्र में परिवर्तन होता है।

6— भूमि उपयोग, कृषि और वन

एक खनन गतिविधि भूमि उपयोग पैटर्न क्षेत्र उदाहरण के लिए पहाड़ और पहाड़ियों से खनिजों का निष्कर्षण पहाड़ों की सुंदरता को कम कर सकती है, कृषि भूमि निकटवर्ती क्षेत्रों में खनन गतिविधियों के कारण बंजर भूमि में बदल जाती है। वन क्षेत्रों में खनन गतिविधि के कारण जंगल का बड़ा क्षेत्र कट जाता है जिससे क्षेत्र में वनों की कटाई होती है।

State Level Environment Impact Assessment Authority, M.P.
(EPCO)
Paryavaran Parisar
E-5, Arera Colony, Bhopal (M.P.)

प्रभारी अधिकारी
(खनिज शाखा)
नरसिंहपुर

17 पर्यावरण पर खनन गतिविधियों के प्रभाव को कम करने के उपाय

- खनन गतिविधिया मुख्य रूप से मध्यप्रदेश में बनाये गये इन नियम अधिनियम के अंतर्गत किया जाना चाहिऐ। जो कि मध्यप्रदेश गौड़ खनिज नियम 1996, म.प्र. रेत (खनन परिवहन, भंडारण और व्यापार) नियम– 2019, सस्टेनेबल रेत खनन प्रबंधन दिशा निर्देश, 2016 और रेत खनन के लिए प्रवर्तन और निगरानी दिशा निर्देश 2020, के मुद्दे यह सुनिश्चित करते हैं कि खनन पट्टा क्षेत्र में रेत की वार्षिक पुनःपूर्ति बनाए रखते है।
- पर्यावरण पर खनन गतिविधि के प्रभाव को जल (प्रदूषण की रोकथाम और नियंत्रण) अधिनियम – 1974 और वायु जल (प्रदूषण की रोकथाम और नियंत्रण) अधिनियम – 1981 के अनुसार प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा दी गई शर्तों और शर्तों का पालन करके किसी भी पट्टेदार द्वारा पुनः उपयोग किया जा सकता है। और पर्यावरणीय प्रभाव मूल्यांकन प्राधिकरण द्वारा अनुशंसित विशिष्ट ओर मानक स्थिति का पालन किया जाता है।
- खनन प्राधिकरण द्वारा अनुमोदित खनन योजना के अनुसार किया जाता है। ताकि खनन गतिविधि का लोकल पर्यावरण पर प्रभाव कम हो सके।
- उन क्षेत्रों में वायु प्रदूषण जहां क्रशिंग इकाइयां स्थापित हैं, पट्टा क्षेत्र और पहुंच सड़कों पर पानी के लगातार छिड़काव से कम किया जा सकता है। स्टोन क्रशिंग यूनिट में वाटर स्प्रिंकलर, विंड ब्रेकिंग वॉल, जीआई शीट–शेड लगाये जाते है।
- खदान क्षेत्रों में और उसके आसपास सघन वृक्षारोपण किया जाता है। खनन गतिविधियों के कारण उत्पन्न कचरे को उचित रूप से डंप किया जाता है। और पुनः उपयोग किया जाता है।
- वायु प्रदूषण को कम करने के लिए खान श्रमिकों को श्वसन यंत्र, एन–95 मास्क जैसे सुरक्षात्मक उपाय उपलब्ध कराए जाते है। इसी प्रकार ध्वनि प्रदूषण को कम करने के लिए खान श्रमिकों को इयर प्लग प्रदान किया जाते है।
- इस बात की बार–बार निगरानी की जानी आवश्यक है। कि नदी के तल में रेत के खनन से नदी के पानी के प्राकृतिक प्रवाह में कोई बदलाव नहीं आता है। यह जल संसाधन को बनाए रखने में मदद करता है।
- सभी मशीनरी सिस्टम उपकरण स्थापित एक अच्छी काम करने की स्थिति में होना आवश्यक होता है। और प्रदूषण के प्रभाव को कम करने के लिए नियमित रूप से बनाए रखा जा सकते है।
- खदान पट्टा क्षेत्र में 10 मीटर की हरित पट्टी विकसित की जानी आवश्यक है। चौड़ाई या आसपास के क्षेत्र में पर्यावरण में सुधार करने के लिए हो सके।
- प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और पर्यावरण प्रभाव मूल्यांकन प्राधिकरण द्वारा दिए गए अनुदान और अनुमतियों की समय–समय पर निगरानी की जानी आवश्यक है।

18 खनन क्षेत्रों का पुनः सुधार

State Level Environment Impact
Assessment Authority, M.P.
(EPCO)
Paryavaran Parisar
E-5, Arera Colony, Bhopal (M.P.)

प्रभारी अधिकारी
(खनिज शाखा)
नरसिंहपुर

यदि उचित उपाय नहीं किए जाते है, तो खनन् कार्यो से पर्यावरण पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। खनन संचालन के परिणाम स्वरूप मूल भूमि प्रोफ़ाइल स्पष्ट रूप से बदल जाएगी और खनन से होने वाले पर्यावरण प्रदूषण का परिमाण और महत्व उपलब्ध खनिजा के प्रकार, खनन और प्रसंस्करण की विधि आदि पर निर्भर करता है।

खनन के बाद खनन की गई भूमि का पुनद्धार और पुनर्वास सबसे महत्वपूर्ण कार्य हैं। ये प्रथाएं पत्थर की इष्टतम मोटाई की खुदाई के बाद ही शुरू होंगी जो आर्थिक रूप से व्यवहार्य है।

पुनर्ग्रहण और भूमि के लिए खनन गतिविधि खनन योजना के अनुसार योजना के अनुसार होनी चाहिए ताकि खनन की शीघ्र वापसी और सुधार प्रदान किया जा सके।

अधिकांश खदानों में लीज की अवधि समाप्त होने के बाद, खदानों का पुनर्ग्रहण अपशिष्ट चट्टान या ओवर बर्डन को खदान में वापस भरकर किया जा सकता है। हालांकि एक पुनर्ग्रहण एक खदान या खदान सुधार योजना में निम्नलिखित चरण होने चाहिए।

1– ऊपरी मिट्टी/ओवर बर्डन का भंडारण और संरक्षण।

2– खनन के दौरान और उसके अंत में खनन से प्रभावित भूमि के पुनर्ग्रहण का प्रस्ताव।

3– डम्पो का स्थिरोकरण और वनस्पति।

4– खनिज पदार्थ के ढेर के लिए डंपिंग ग्राउंड तैयार करना।

19 जोखिम मूल्यांकन और आपदा प्रबंधन

खनन कार्यों में संभावित जोखिमों का उल्लेख नीचे किया गया है :–

जोखिम पहचान और जोखिम विश्लेषण प्रक्रिया, भंडारण और संचालन, मानवीय त्रुटियों, बिजली की विफलता और प्राकृतिक आपदाओं के कारण परियोजना के संचालन से जुड़े विभिन्न प्रकार के खतरों के बारे में चर्चा करता है। यह पहचाने गए संभावित खतरे की घटना के लिए विभिन्न दुर्घटना परिदृश्यों की घटना की गणना की आवृत्तियों को भी प्रस्तुत करता ह।

परिकलित आवृत्तियों और परिणामों के आधार पर जोखिम कम करने के उपाय।

खतरों की पहचान

तकनीकी खतरे :–

इनमें विनाशकारी घटनाएं या पर्यावरण पर मानवीय प्रभाव और तकनीकी कारणों से उत्पन्न खतरे शामिल हैं। उन्हें उत्खनन/लोडिंग, परिवहन आदि जैसे संचालन उपकरणों पर तीव्र शोर स्रोतों से शोर के खतरे में विभाजित किया जा सकता है। सड़क से सामग्री के परिवहन के दौरान ईंधन/हाइड्रोलिक तरल पदार्थ की चोटों और मौत के प्रज्वलन के माध्यम से बड़े सतह वाहनों पर आग लग जाती है।

State Level Environment Impact
Assessment Authority, M.P.
(EPCO)
Paryavaran Parisar
E-5, Arera Colony, Bhopal (M.P.)

प्रभारी अधिकारी
(खनिज शाखा)
नरसिंहपुर

संरचनात्मक विफलता :–

खदान म डंप, बेंच/पिट ढलानों की अस्थिरता जो चोट और मृत्यु का कारण बन सकती है।

जोखिम के लिए परिकल्पित परिदृश्य

काम का ज्ञान

जोखिम मूल्यांकन का आवेदन कार्य के सभी पहलुओं की पूरी समझ पर निर्भर करता है। किसी विशेष कार्य के संबंध में जोखिम मूल्यांकन करने मे, मूल्यांकन में कार्य करने वाले व्यक्तियों के ज्ञान, अनुभव और प्रशिक्षण की समीक्षा शामिल होनी चाहिए।

व्यक्तिगत क्षमता

यह इस प्रकार है कि किसी भी जोखिम मूल्यांकन का मूल्यांकन करने के लिए काम में शामिल कर्मियों का ज्ञान, अनुभव और प्रशिक्षण महत्वपूर्ण है। एक जानकार, अनुभवी अच्छी तरह से प्रशिक्षित और सक्षम रूप से पर्यवेक्षित कार्यबल खराब प्रशिक्षित और बुरी तरह पर्यवेक्षित कार्यबल की तुलना में दुर्घटनाओं के कम जोखिम पर होगा।

समन्वय

यह आवश्यक है कि समन्वयक यह सुनिश्चित करे कि कार्य में लगे सभी लोग सक्षम हों और दूसरों की भूमिका और एक–दूसरे के प्रति उनकी जिम्मेदारी को समझें। यह विशेष रूप से तब महत्वपूर्ण होता है जब ठेका कर्मचारी किए जाने वाले काम का आंशिक या पूरा हिस्सा लेते हैं।

स्वास्थ्य को खतरा

इस दस्तावेज़ के प्रयोजनों के लिए, स्वास्थ्य संबंधी खतरों की व्याख्या हानिकारक धूल, गैसों और शोर के रूप में की जानी चाहिए जो सतही खनन कार्यों के दौरान उत्सर्जित होती है। इसी तरह खनन कार्यों में शामिल अन्य खतरनाक कार्य जो श्रमिकों के स्वास्थ्य और कल्याण से संबंधित हैं।

शोर

खदान के वातावरण में शोर को एक सामान्य व्यावसायिक खतरा माना जाता है। लंबे समय तक शोर के संपर्क में रहने से श्रवण तंत्रिकाओं और इसके संवेदी घटकों (शोर प्रेरित बहरापन) को स्थायी नुकसान हो सकता है। एचईएमएम के ऑपरेटरों को शोर प्रेरित श्रवण हानि (एनआईएचएल) से बचने के लिए, इन मशीनों के केबिनों को ध्वनिरोधी बनाया जाएगा। साथ ही, उच्च ध्वनि उत्पन्न करने वाले क्षेत्रों में काम करने वाले ऑपरेटरों और अन्य श्रमिकों को उनकी सुनवाई की सुरक्षा के लिए इयर प्लग/इयर मफ प्रदान किए जा रहे हैं। किसी भी कर्मचारी को उचित सुरक्षा उपकरण पहने बिना उच्च शोर उत्पन्न करने वाले क्षेत्रों में प्रवेश करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

सतह की आग

रेड ऑकर डिपॉजिट में कोई ज्वलनशील पदार्थ नहीं होते हैं। हालांकि कोयला खदानों में लगे डंपरों में आग लग सकती है. अग्निरोधक पात्र को छोड़कर किसी भी ज्वलनशील पदार्थ का भंडारण नहीं किया जाएगा। चार माह से अधिक समय तक रखे कोयला में स्वतः ज्वलन क्रिया होने लगती है।

प्रभारी अधिकारी
(खनिज शाखा)
नरसिंहपुर

State Level Environment Impact
Assessment Authority, M.P.
(EPCO)
Paryavaran Parisar
E-5, Arera Colony, Bhopal (M.P.)

कोई भी व्यक्ति किसी भी ज्वलनशील पदार्थ पर या उसके पास कोई नग्न प्रकाश या दीपक नहीं रखेगा और न ही उसे फेंकने देगा।

एमएमआर 1961 के विनियम 121 के अनुसार खदान के हर प्रवेश द्वार पर या हर जगह जहां ज्वलनशील सामग्री जमा है, रेत या ज्वलनशील धूल या पर्याप्त पोर्टेबल अग्निशामक की पर्याप्त आपूर्ति प्रदान की जाएगी।

लेड़िग

खनिज का समस्त लदान लोडर/उत्खनन के द्वारा किया जायेगा। गतिविधि से जुड़ा कोई जोखिम नहीं है। हालांकि, श्रमिकों को लोडिंग कार्यों से दूर रखने के लिए सावधानी बरतने की आवश्यकता है, ताकि व्यक्तियों पर सामग्री गिरने से बचा जा सके। इसके अलावा, लोडिंग मशीन ऑपरेटर को ठीक से मार्गदर्शन करने के लिए साइट पर्यवेक्षक द्वारा लोडिंग संचालन की निगरानी की जाती है।

गड्ढे ढलान विफलता

बेंच की विफलता से बचने के लिए खान बेंचों के किनारों को उपयुक्त रूप से ढाला जाएगा। बेंच की ऊंचाई बेंच की ऊंचाई से अधिक चौड़ाई के साथ 6 मीटर ऊंचाई रखने की योजना है। बेंच के किनारों और किनारों का नियमित रूप से निरीक्षण किया जाएगा ताकि विफलता, दरारों के विकास आदि के किसी भी लक्षण के लिए निरीक्षण किया जा सके। किसी भी बेंच या गड्ढे ढलान की विफलता से बचने के लिए उचित एहतियाती उपाय अपनाए जाएंगे।

भारी वाहन

खनिज और ओवरबर्डन के लदान और परिवहन में उचित सावधानी बरती जाएगी। ब्रेक फेल होने की संभावना को कम करने के लिए अच्छा रखरखाव और नियमित परीक्षण आवश्यक है। एक क्षेत्र को एक परीक्षण क्षेत्र के रूप में स्थापित किया जाएगा जहां वाहन ब्रेकिंग सिस्टम की प्रभावशीलता पर नियमित परीक्षण किए जाते हैं।

व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण (पीई)

खराब होने की स्थिति में, खराब होने क कारण भी खराब हो सकता है। ; विशेष व्यक्तिगत सुरक्षा उपायों को लागू किया गया, इसे आखिरी के लिए जरूरी मामलों में शामिल होने के लिए जरूरी है और विशेष व्यक्तिगत व्यक्तिगत सुरक्षा के लिए आवश्यक है। ।

यातायात

चूंकि उपयोग किए जाने वाले वाहन संख्या में बहुत कम हैं, इसलिए यातायात की आवाजाही के कारण दुर्घटनाओं का कोई खतरा नहीं है। तथापि, ढुलाई सड़कों का उचित रखरखाव किया जाएगा और दुर्घटनाओं से बचने के लिए खनिज परिवहन के लिए चलने वाले वाहनों पर गति सीमा निहित होगी।

आपदा प्रबंधन योजना

पूर्ण खनन कार्य प्रबंधन नियंत्रण एवं योग्य खान प्रबंधक के निर्देशन में किया जायेगा। खान सुरक्षा महानिदेशालय (डीजीएमएस), धनबाद ने खान प्रबंधन द्वारा पालन किए जाने वाले कई स्थायी आदेश, मॉडल स्थायी आदेश और परिपत्र जारी किए हैं।

खदान के गड्ढे में सतही जल के किसी भी प्रवाह से बचने के लिए माला नालियों और मिट्टी के बांधों की जाँच और नियमित रखरखाव। खनन पिट से पानी निकालने के लिए पम्पों की व्यवस्था। अनाधिकृत व्यक्तियों का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा।

खान कार्यालय परिसर एवं खनन क्षेत्र में अग्निशमन एवं प्राथमिक उपचार का प्रावधान रखा जायेगा। सुरक्षा उपकरण जैसे सुरक्षा जूते, हेलमेट, काले चश्मे आदि कर्मचारियों को उपलब्ध कराए जाएंगे और उनके

State Level Environment Impact Assessment Authority, M.P. (EPCO) Paryavaran Parisar E-5, Arera Colony, Bhopal (M.P.)

प्रभारी अधिकारी (खनिज शाखा)

उपयोग के लिए नियमित जांच की जाएगी। स्वीकृत योजना के अनुसार खदान में कार्यरत सभी श्रमिकों के लिए प्रशिक्षण एवं पुनश्चर्या पाठ्यक्रम तथा इसके लिए नियमित अद्यतनीकरण। मेरे चेहरों की नियमित सफाई। निर्माण के दिशा–निर्देशों के अनुसार सभी खनन उपकरणों का नियमित रखरखाव और परीक्षण। ढुलाई सड़कों पर धूल का दमन। प्रतियोगिताओं, पोस्टरों और इसी तरह के अन्य अभियान के माध्यम से सुरक्षित प्रथाओं क बारे में जागरूकता बढ़ाना।

संचार प्रणाली

विभाग प्रमुख और उनकी लाइन ऑफ कमांड के लिए एक आंतरिक संचार प्रणाली को बनाए रखा जाना चाहिए। बचाव स्टेशन, पुलिस स्टेशन, अग्निशमन सेवा स्टेशन, स्थानीय अस्पताल, बिजली आपूर्ति एजेंसी और स्थायी सलाहकार समिति के सदस्यो के टेलीफोन नंबर और पते होना एक और आवश्यक पहलू है।

सलाहकार समिति

खान प्रबंधक की अध्यक्षता में एक स्थायी सलाहकार समिति का गठन किया जाएगा।

प्राथमिक चिकित्सा सुविधाएं

खदान प्रबंधन के पास आपात स्थिति में उपयोग के लिए प्राथमिक उपचार की सुविधा है। सभी हताहतों का पंजीकरण किया जाएगा और उन्हें प्राथमिक उपचार दिया जाएगा। खान प्रबंधन के पास निकटतम अस्पतालों के साथ त्वरित संचार के लिए उचित टेलीफोन/वायरलेस सेट है जहां जटिल मामलों को भेजा जाना है।

जनसंपर्क समूह के कार्य

सरकारी अधिकारियों और अन्य समाज सेवा संगठन और कार्य समूहों के साथ सौहार्द पूर्ण संबंध बनाए रखा जाएगा। किसी भी आपदा से उत्पन्न दहशत, तनाव, भावनाओं, शिकायतों और आशंकाओं की स्थिति को सुधारने के लिए खनिकों के प्रतिनिधियों के साथ संपर्क करना। सामग्री, नैतिक समर्थन, वित्त प्रदान करके और पीड़ितों के रिश्तेदारों के साथ संपर्क स्थापित करके घायलों, बचे लोगों और प्रभावित व्यक्तियों के परिवार के सदस्यों को सुधारने के लिए।

अस्थायी बंद के दौरान देखभाल और रखरखाव

खदान को अस्थायी रूप से बंद करने के दौरान किसी भी कारण से, नोटिस (एमसीडीआर, 1988 के नियम 24 एमएमआर, 1961 के नियम 6 के अनुसार) आईबीएम और खान सुरक्षा अधिकारियों को भेजा जाएगा। सूचना के साथ एमसीडीआर, 1988 के नियम 24 के अनुसार प्रपत्र संख्या डी–1 संलग्न किया जाएगा। देखभाल और रखरखाव के संबंध में सभी एहतियातो कदम उठाए जाएगे। निम्नलिखित कदम उठाए जाएंगे।

गड्ढों का संरक्षण

डीजीएमएस के परिपत्र के अनुसार पट्टे के खदान वाले हिस्से को स्थानीय भाषा में खतरे को प्रदर्शित करने वाले चेतावनी बोर्ड के साथ खुले गड्ढे के चारों ओर बाढ़ द्वारा संरक्षित किया जाएगा।

क्षेत्र की सुरक्षा

स्थानीय भाषा में बिना अनुमति के परिसर में प्रवेश सख्त वर्जित है शीर्षक के साथ प्रवेश पर एक बोर्ड प्रदर्शित करके क्षेत्र की रक्षा की जाएगी।

रखरखाव और निगरानी

प्रभारी अधिकारी
(खनिज शाखा)
नरसिंहपुर

State Level Environment Impact
Assessment Authority, M.P.
(EPCO)
Paryavaran Parisar
E-5, Arera Colony, Bhopal (M.P.)

सक्षम व्यक्ति द्वारा प्रत्येक सप्ताह क्षेत्र की निगरानी की जाएगी और यदि आवश्यक हो तो आवश्यकतानुसार रखरखाव किया जाएगा। सभी खनन मशीनरी को सुरक्षित स्थान पर स्थानांतरित कर दिया जाएगा। किए गए वृक्षारोपण की देखभाल और रखरखाव नियमित आधार पर किया जाएगा। खदान के किसी भी अस्थायी रूप से बंद होने की स्थिति में सभी नियमों और विनियमों का पालन किया जाएगा।

आपात योजना

खदान में कहीं भी कुछ भी गंभीर होने का पता चलने पर, फोरमैन या साथी तुरंत निकटतम खनन अधिकारी और मेरे प्रबंधक को सूचित करेंगे। आपात स्थिति की सूचना मिलने पर शिफ्ट प्रभारी यह सुनिश्चित करेंगे कि आपात स्थिति से निपटने के लिए सभी सामग्री और परिवहन व्यवस्था को तैयार रखा जाए। मामलों को प्राप्त करने के लिए प्राथमिक चिकित्सा सुविधाओं को तैयार रखा जाना चाहिए। डीजीएमएस द्वारा निर्धारित विनियमों का पूरी तरह से पालन किया जाना चाहिए।

सामाजिक प्रभाव आकलन योजना

रोजगार के रूप में आसपास के गांवों के ग्रामीणों पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। पट्टा क्षेत्र में कोई मानव बस्ती नहीं है। इस प्रकार मानव बंदोबस्त पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है और इस प्रकार कोई आर एंड आर योजना की आवश्यकता नहीं है

काम करने वाले क्षेत्र का वैचारिक पुनर्वास

डंपिंग सामग्री के साथ अधिकतम संभव गहराई तक पहुंचने के बाद यानी सतह से अनुमेय गहराई और शेष क्षेत्र को जल भंडारण के रूप में विकसित किया जाएगा। सुरक्षा के लिए अंतिम गड्ढों के चारों ओर पर्याप्त रूप से मोटी बांध की दीवार का निर्माण किया जाएगा। बांध के चारों ओर पौधरोपण किया जाएगा। इस प्रकार, वैचारिक स्तर पर, कोई सतह डंप नहीं होगा। अर्ध–स्थायी प्रकृति की खदान सड़क, कार्यालय आदि जैसी आधारभूत संरचना को हटाकर वृक्षारोपण के लिए प्रस्तावित के रूप में पुनः प्राप्त किया जाएगा। इस प्रकार, संकल्पनात्मक स्तर पर उत्पन्न सभी कचरे को तैयार किए गए गड्ढे में पूरी तरह से वापस भर दिया जाएगा।

आपदा प्रबंधन योजना की रूपरेखा

आपदा प्रबंधन योजना का उद्देश्य खनन गतिविधि के दौरान अप्रत्याशित, अचानक हुई घटना के कारण खनन कार्यों को फिर से शुरू करने के लिए सामान्य स्थिति बहाल करना है, जिससे श्रमिकों या किसी मशीनरी या पर्यावरण को गंभीर खतरा हो सकता है। खनन परियोजना में आपदा प्रबंधन योजना तैयार करने के मुख्य उद्देश्यों में शामिल हैं।

- **खदान में काम करने वालों को दुर्घटना से बचाने के लिए**
- **खनन कार्यों के दौरान चोट की घटनाओं और गंभीरता को रोकने या कम करने के लिए।**
- **गंभीर दुर्घटना की स्थिति में तुरंत और पर्याप्त रूप से प्रतिक्रिया देना।**

State Level Environment Impact Assessment Authority, M.P. (EPCO) Paryavaran Parisar E-5, Arera Colony, Bhopal (M.P.)

सहायक अधिकारी (खनिज शाखा) नरसिंहपुर

किसी भी प्रकार की आपदा चाहे वह प्राकृतिक हो या मानव निर्मित, जीवन की अत्यधिक हानि का कारण बनती है, और संपत्ति और आसपास के वातावरण को भी इस हद तक नुकसान पहुंचाती है कि समाज के लिए उपलब्ध सामान्य सामाजिक और आर्थिक तंत्र गड़बड़ा जाता है। सरकार भारत सरकार ने देश के समग्र सामाजिक–आर्थिक विकास पर आपदाओं के हानिकारक प्रभावों को कम करने के लिए आपदा प्रबंधन के लिए एक सक्रिय, व्यापक और निरंतर दृष्टिकोण की आवश्यकता को पहचाना और आपदा प्रबंधन (डीएम) अधिनियम

2005 के साथ सामने आया, और भूमिका पर प्रकाश डाला। और जिला आपदा प्रबंधन योजना का महत्व। सरकार मध्य प्रदेश (जीओएमपी) का यह भी मानना है कि हर जिले में एक आपदा प्रबंधन योजना की आवश्यकता है जो राज्य में आपदा प्रबंधन के लिए अपनी दृष्टि और रणनीति को स्पष्ट करे। इस संदर्भ में मध्य प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एमपीएसडीएमए) राज्य में आपदा प्रबंधन में शामिल विभिन्न संस्थाओं को

अपनी जिम्मेदारियों का अधिक प्रभावी ढंग से निर्वहन करने के लिए दिशा–निर्देश प्रदान करता है। इसके अलावा, डीएम अधिनियम के अनुसार, प्रत्येक जिले में जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण का गठन किया जाएगा और यह जिला आपदा प्रबंधन योजना (डीडीएमपी) की तैयारी, कामकाज और समीक्षा के लिए नोडल एजेंसी होगी। जिला आपदा प्रबंधन योजना का दायरा बहुत व्यापक है, और यह आपदाओं के सभी चरणों (पहले, दौरान, बाद और गैर आपदा समय) में लागू होता है। डीडीएमपी महत्वपूर्ण निर्णय लेने में अधिकारियों की मदद कर सकते हैं और आपात स्थिति में सीधे अधीनस्थों को मार्गदर्शन भी प्रदान कर सकते हैं। डीडीएमपी कीमती समय को बचाने में मदद करता है, जो परामर्श में खो सकता है, और अधिकारियों से अनुमोदन प्राप्त कर सकता है।

यह जिला आपदा प्रबंधनप्राधिकरण के सदस्यों की जिम्मेदारी होगी कि वे जिला आपदा प्रबंधन योजना और संबद्ध कार्यों की आवधिक समीक्षा सहित आपदा प्रबंधन से संबंधित जिला और उप जिला स्तरीय संस्थागत गतिविधियों को देखें। डीडीएमपी जिला प्रशासन (डीडीएमए के स्वामित्व में) के लिए एक परिचालन मॉड्यूल है और यह स्थानीय रूप से उपलब्ध व्यक्तियों और संसाधनों के साथ विभिन्न प्रकार की आपदाओं को प्रभावी ढंग से कम करने में मदद करता है। यह सभी हितधारकों के लिए एक कार्रवाई उन्मुख प्रतिक्रिया संरचना के लिए और उनकी तैयारी के स्तर का अध्ययन करने के लिए एक चेकलिस्ट भी सुनिश्चित करता है।

योजना का उद्देश्य आपदा जोखिम को कम करने के लिए आवश्यक प्रणालियों, संरचनाओं, कार्यक्रमों, संसाधनों, क्षमताओं और मार्गदर्शक सिद्धांतों को स्थापित करना और संबंधित जिले में आपदाओं और आपदाओं के खतरों की तैयारी और प्रतिक्रिया करना है, ताकि जीवन और संपत्ति को बचाया जा सके, व्यवधान से बचा जा सके। आर्थिक गतिविधि और पर्यावरण को नुकसान और विकास की निरंतरता और स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए। जिला आपदा प्रबंधन योजना में रोकथाम, शमन और तैयारी पर जोर देने के साथ एक समग्र और एकीकृत दृष्टिकोण है, यह सुनिश्चित करके कि जिले में सभी स्तरों पर आपदा प्रबंधन को सर्वोच्च प्राथमिकता मिलती है। इसमें राष्ट्रीय और राज्य स्तर की तर्ज पर प्रतिक्रियाशील और राहत केंद्रित दृष्टिकोण से आपदाओं की ओर एक प्रतिमान बदलाव आया है। दृष्टिकोण का उद्देश्य विकासात्मक लाभों को संरक्षित करना और जीवन, आजीविका और संपत्ति के नुकसान को कम करना है। जिला आपदा प्रबंधन योजना के कुशल क्रियान्वयन के लिए आपदा चक्र के इन चार चरणों के अनुसार योजना का आयोजन किया गया है। आपदा से पहले आपदा के बाद गैर आपदा आपदा के दौरान गैर आपदा चरणरू गतिविधियों में आपदा न्यूनीकरण शामिल है, जिससे रोकथाम और जोखिम में कमी आती है। आपदा चरण से पहलेरू गतिविधियों में संभावित आपदाओं का सामना करने की तैयारी, पूर्व चेतावनी का प्रसार शामिल है। आपदा चरण के दौरानरू गतिविधियों में त्वरित प्रतिक्रिया, राहत, खोज और बचाव को जुटाना, क्षति का आकलन शामिल है। आपदा चरण के बादरू गतिविधियों म आपदा प्रभावित क्षेत्रों में वसूली और पुनर्वास कार्यक्रम शामिल हैं।

20 जिला में व्यावसायिक स्वास्थ्य के मुद्दों का विवरण

State Level Environment Impact
Assessment Authority, M.P.
(EPCO)
Paryavaran Parisar
E-5, Arera Colony, Bhopal (M.P.)

प्रभारी अधिकारी
(खनिज शाखा)
नरसिंहपुर

ओपन कास्ट विधि में की खुदाई, लोडिंग और परिवहन द्वारा धूल उत्पन्न करना शामिल है खनिज साइट पर, उत्खनन और लोडिंग गतिविधि के दौरान, धूल मुख्य प्रदूषक है जो प्रभावित करता है श्रमिकों का स्वास्थ्य जबकि पर्यावरण और जलवायु परिस्थितियाँ भी स्वास्थ्य उत्पन्न करती हैं समस्या। व्यावसायिक स्वास्थ्य के खतरे को संबोधित करने का अर्थ है की समझ हासिल करना स्रोत (इसका स्थान और परिमाण या एकाग्रता), एक जोखिम मार्ग की पहचान करना (जैसे, इसका अर्थ है इसे किसी के संपर्क में लाना), और एक रिसेप्टर (किसी) की संभावना का निर्धारण जो सामान माइग्रेट कर रहा है उसे प्राप्त करना)। ओपन कास्ट माइनिंग के कारण व्यावसायिक खतरे मुख्य रूप से भौतिक खतरों के अंतर्गत आते हैं।

संभावित शारीरिक खतरे इस प्रकार हैं –
खनन कार्यों के कारण होने वाले शारीरिक जोखिम
ओपन कास्ट खनन कार्यों में निम्नलिखित स्वास्थ्य संबंधी खतरों की पहचान की गई –
प्रकाश – श्रमिकों को खराब रोशनी या अत्यधिक चमक के जोखिम से अवगत कराया जा सकता है। प्रभाव आंखों में खिंचाव, सिरदर्द, आंखों में दर्द और लैक्रिमेशन, कॉर्निया के आसपास जमाव है और आंखों की थकान। वर्तमान मामले में, खनन गतिविधि केवल दिन के समय की जाती है।
गर्मी और आर्द्रता – सबसे आम शारीरिक खतरा गर्मी है। गर्मी का सीधा असर एक्सपोजर में जलन, हीट थकावट, हीट स्ट्रोक और हीट क्रैम्प्स हैं; अप्रत्यक्ष प्रभाव हैं दक्षता में कमी, थकान में वृद्धि और दुर्घटना दर में वृद्धि। गर्मी और नमी हैं तापमान और हवा के तापमान में वृद्धि होने पर गर्म और आर्द्र स्थिति में सामना करना पड़ता है नदी तल खनन क्षेत्र में गर्मी का समय 46.10 या उससे अधिक तक
आंखों में जलन– गर्मी के दिनों में तेज हवा वाले दिनों में धूल–मिट्टी की समस्या हो सकती है आँखों में खुजली और आँखों में पानी आना।
श्वसन संबंधी समस्याएं – हवा में बड़ी मात्रा में धूल स्वास्थ्य के लिए खतरा हो सकती है, तेज हो सकती है श्वसन संबंधी विकार जैसे अस्थमा और फेफड़ों और ब्रोन्कियल मार्ग में जलन।
शोर प्रेरित बहरापन – खदन मे ध्वनि प्रदूषण का मुख्य स्त्रोत मशीनरी है
जिला नरसिंहपुर शासकीय स्वास्थ्य केन्द्र की जानकारी

सं.क्र.	स्वास्थ्य केन्द्र का नाम	तहसील	स्वास्थ्य केन्द्रों की संख्या	बिस्तर की संख्या
1	जिला अस्पताल चौ. शंकरलाल दुबे	नरसिंहपुर	01	300
2	सिविल अस्पताल	गाडरवारा	01	100
3	सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र	नरसिंहपुर गाडरवारा तेन्दूखेड़ा गोटेगांव	02 02 02 01	30 30 30 30
4	प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र	नरसिंहपुर गाडरवारा तेन्दूखेड़ा गोटेगांव	06 02 08 05	10 10 10 10
5	शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र	नरसिंहपुर गाडरवारा	01 01	– –
6	उप स्वास्थ्य केन्द्र	नरसिंहपुर गाडरवारा तेन्दूखेड़ा गोटेगांव	33 35 35 34	– – – –

State Level Environment Impact
Assessment Authority, M.P.
(EPCO)
Paryavaran Parisar
E-5, Arera Colony, Bhopal (M.P.)

प्रभारी अधिकारी
(खनिज शाखा)

कार्यालय जिला क्षय अधिकारी, नरसिंहपुर (म.प्र.)

(जिला क्षय केन्द्र, शासकीय जिला चिकित्सालय परिसर नरसिंहपुर - 487001)

Email-dtompnsp@rntcp.org

क्र/एन.टी.ई.पी./2022-23/54 नरसिंहपुर दिनांक 04/06/2022

प्रति,

प्रभारी अधिकारी
खनिज शाखा
नरसिंहपुर (म0प्र0)

विषय :- जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट के संबंध में।

संदर्भ :- आपका पत्र क्रमांक/354/खनिज/2022 नरसिंहपुर दिनांक 02/06/2022।

****

उपरोक्त विषयान्तर्गत लेख है कि संदर्भित पत्र के माध्यम से चाही गई जानकारी निम्नानुसार है :-

Sr. No	Year	Total TB Cases	Silocosis
1	2019	1815	0
2	2020	1587	0
3	2021	1759	0

अत: इस कार्यालय से संबंधित जानकारी आपकी ओर सूचनार्थ प्रेषित है।

जिला क्षय अधिकारी
नरसिंहपुर (म.प्र.)

State Level Environment Impact
Assessment Authority, M.P.
(EPCO)
Parvavaran Parisar
E-5, Are ... (M.P.)

प्रभारी अधिकारी
(खनिज शाखा)
नरसिंहपुर

21. वृक्षारोपण और हरित पट्टी विकास के संबंध में

जिल में दिए गए खनन पट्टे के संबंध में खनन गतिविधियों से पर्यावरण प्रदूषित होता है। इसके लिए पर्यावरण की सुरक्षा आवश्यक है। मानवीय गतिविधि के साथ–साथ वायु प्रदूषण से क्षतिग्रस्त भूमि की बहाली के लिए वृक्षारोपण सबसे पुरानी तकनीक है ।

वृक्ष वायु प्रदूषकों का पता लगाने और उनकी निगरानी के लिए अत्यधिक उपयुक्त हैं, और इन्हें विभिन्न स्थानों पर प्रभावी ढंग से उपयोग किया जाता है, वृक्षारोपण करके हम जैव–सौंदर्य शास्त्र के दोहरे उद्देश्य को प्राप्त कर सकते हैं और साथ ही साथ इसका शमन भी कर सकते हैं। प्रदूषण का प्रकार, प्रदूषित कणों को रोकने वाले पेड़, और प्रदूषण को सहन करने वाले पेड़ और उनके प्रकारों पर उचित योजना और वृक्षारोपण निर्भर करता है।

पेड़ पौधे सदैव हरे भरे, पड़े पत्ते वाले, साथ ही खुरदुरे तने वाले और पर्यावरण के साथ पारिस्थितिक तंत्र के साथ सक्षम हाना चाहिए। ऐसे पेड़ लगाये जाना चाहिए जो कि कम पानी का उपयोग करते हो, कम देखभाल वाले, प्रदूषण को शोसित करने में सक्षम, प्रदूषण राकने वाले, पर्यावरण के अनुकूल, तेजी से बढ़ने वाले, और तेज हवा में न टूटने वाले होने चाहिए। पेड़ो की प्रजातिया मिट्टी, स्थालाकृति, जलवायु के अनुकूल होनी चाहिए। कम से कम दो पंक्तियों का वृक्षारोपण किया जाना चाहिए। जिससे प्रदूषण के स्तर हो ज्यादा से ज्यादा कम किया जा सके।

वृक्षारोपण और हरित पट्टी विकास के लिये वृक्षो व प्रजातियों के जानकरी –

S. No.	Botanical Name	Family	Common Name
1.	Tamarindus indica (Linn)	Caesalpiniaceae	Imli
2.	Anogeissus pendula	Combrataceae	Kardhai
3.	siras Albizia lebbek	Leguminosae (Mimoseae)	Kala
4.	Azadirachta indica	Meliaceae	Neem
5.	Butea monosperma	Leguminosea (papilionaceae)	Palas
6.	Ficus infectoria	Moraceae	Pakar
7.	Stereospermum suaveolens	Bignoniaceae	Padar
8.	Salmalia malabarica, Bombaxcieba	Malvaceae	Semal
9.	Madhuca indica	Sapotaceae	Mahua
10.	Delbergia latifolia, Roxb	Leguminosae (Papilionaceae)	Shisham
11.	Lannea coromandalica	Anacardiaceae	Kankar
12.	Diospyros melanoxeon	Ebenaceae	Tendu
13.	Anogeissus latifolia	Combretaceae	Dhavda
14.	Zizyphus jujube	Rhamnaceae	Ber
15.	Cassia fistula	Leguminosae (Caesalpiniaceae)	Amaltash
16.	Syzygium cuimini	Myrataceae	Jamun
17.	Acacia karoo	Fabaceae	Keekar
18.	Buchanania lanzan (spreg)	Anacardiaceae	Achar
19.	Mangifera indica (Linn)	Anacardiaceae	Aam
20.	Emblica officinalis	Euphorbiaceae	Awla

प्रस्तावित परियोजना वैरियर जोन के प्रस्तावित परियोजना बिना मायनिंग वाले क्षेत्रों में , अपरोच रोड़, नदी किनारों के आसपास वृक्षारोपण किया जाना चाहिए।

State Level Environment Impact
Assessment Authority, M.P.
(EPCO)
Paryavaran Parisar
E-5, Arera Colony, Bhopal (M.P.)

प्रभारी अधिकारी
(खनिज शाखा)

खादान उसके आसपास वृक्षारोपण

State Level Environment Impact
Assessment Authority, M.P.
(EPCO)
Paryavaran Parisar
E-5, Arera Colony, Bhopal (M.P.)

प्रबन्ध अधिकारी
(खनिज शाखा)

खादान व उसके आसपास वृक्षारोपण

State Level Environment Impact
Assessment Authority, M.P.
(EPCO)
Paryavaran Parisar
E-5, Arera Colony, Bhopal (M.P.)

(खनिज शाखा)

Plantation Table

जिला.नरसिंहपुर से संबंधित डीएसआर रिपोर्ट तैयार किये जाने हेतु डोलोमाइट/सोपस्टोन/फायरक्ले खनिपट्टा खदानों की खदानवार वृक्षारोपणं की जानकारी

S.No.	Name of the Mineral	Name of the Lessee	Address & contact No. of Lessee	Mining lease Grant Order No. & date	Area of Mining Lease (ha)	Period of Mining (Initial)		पेड़ो की प्रजाति	No. of Plantation in ML area
						From	To		
01	Dolomite/ Soapstone	Narmada Minerals and Industries Shri Rajeev Agrawal	Saktesh Apartment valley Garden Moti Dungry Road Jaipur Rajasthan 8839838183	Lease Order No.: 5240-5134/12, Lease Order Date: 06/08/1966	3.238	01.07.2016	31.03.2030	नीम, महुआ,	3
02	Dolomite/ Soapstone	Haphijan Bee- Shri Siayad Hussen	Village Magardha, Tehsil Narsinghpur Dist- Narsinghpur 9993479746	Lease Order No.: 3-61/2007/12/2, Lease Order Date: 02/07/2008	4.864	20.03.2005	19.03.2025	गुलमोहर, अशोक	2
03	Dolomite/ Limestone	Pradeep Kumar Jain- Shri Tarachand Jain	Tendukheda Tehsil Tendukheda Dist. Narsinghpur 9589401000	Lease Order No.: 3/25/1//12/1, Lease Order Date: 02/07/2008	6.817	06.06.2002	05.06.2052	अमरूद, शीशम, महुआ, गुलमोहर	4
04	Fireclay	Kunwar Virendra singh- Late Harprasad singh patel	Geet Kunwar Jhhirna Road Narsinghpur 9425168666	Lease Order No.:3-491/96/12/2 Date: 21/08/19 96	7.441	15.01.1997	14.01.2047	बबूल, शीशम, नीम	5
05	Dolomite/ Limestone/ Soapstone	Kunwar Virendra singh- Late Harprasad singh patel	Geet Kunwar Jhhirna Road Narsinghpur 9425168666	Lease Order No.:F 3-109/98/12/2 Date: 22/03/2000	3.190	06.04.2020	05.04.2050	नीम, बबूल	4

प्रभारी अधिकारी
(खनिज शाखा)
नरसिंहपुर

State Level Environment Impact
Assessment Authority, M.P.
(EPCO)
Paryavaran Parisar
E-5, Arera Colony, Bhopal (M.P.)